सुविचार

सपने वो नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।
– डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in
email:- dainikprathamnews@gmail.com
Pratham News
@dainikprathamnews

जालंधर, वर्ष:16 अंक : 185 | दिनांक : सोमवार, 06 जुलाई 2026 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

टूट गया इंग्लैंड का सपना, फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने मारी बाजी; रिकॉर्ड 7वीं बार ट्रॉफी पर जमाया कब्जा...
» पृष्ठ 7 पर

संक्षिप्त न्यूज

हिमाचल में नवाचार को बढ़ावा, तकनीकी संस्थानों के लिए 2 करोड़ का इनोवेशन फंड मंजूर

स्टार्टअप और उद्यमिता को मिलेगा बल, राज्य नवाचार नीति 2026-28 लागू

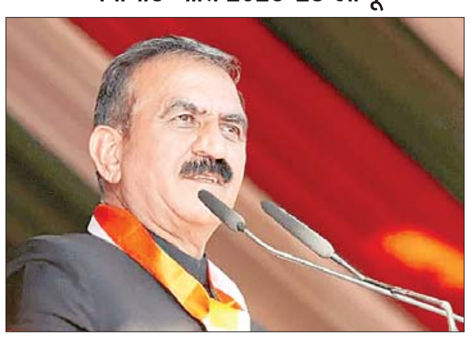

शिमला (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश सरकार ने तकनीकी शिक्षा संस्थानों में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य नवाचार नीति तथा वर्ष 2026–28 के लिए दो करोड़ रुपये के राज्य नवाचार फंड को मंजूरी दी है। इस पहल का उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और युवा उद्यमियों को नए विचारों को व्यावहारिक रूप देने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है।

नई नीति के तहत प्रोटोटाइप विकास, सीड फंडिंग, इनक्यूबेशन सेंटर, कौशल प्रशिक्षण और उद्योगों के साथ सहयोग जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इससे तकनीकी संस्थानों में अनुसंधान और नवाचार गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। सरकार का मानना है कि यह पहल राज्य में नवाचार आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगी और हिमाचल प्रदेश को उभरते हुए इनोवेशन हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे स्टार्टअप्स को भी बेहतर समर्थन और विकास के अवसर मिलेंगे।

अमरनाथ यात्राः 11 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

बालटाल (ब्यूरो)– अमरनाथ यात्रा के दूसरे दिन शनिवार को 11,399 श्रद्धालुओं ने 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में बाबा बर्फानी के दर्शन किए। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं का जत्था पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान (पहलगाम) मार्ग और 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से पवित्र गुफा की ओर रवाना हुआ। पुरुषों, महिलाओं और साधु–संतों ने बम–बम भोले के जयघोष के साथ अपनी धार्मिक यात्रा शुरू की। अधिकारियों के अनुसार, दोनों बेस कैंपों से सुबह हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया गया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यात्रा के सुचारू संचालन के लिए पूरे मार्ग पर बहु–स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जम्मू–कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के जवान दोनों मार्गों पर तैनात हैं और यात्रा की लगातार निगरानी कर रहे हैं। इस बीच जम्मू–कश्मीर प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए अपील की है कि वे केवल एडवांस रजिस्ट्रेशन कराने के बाद ही यात्रा करें और रजिस्ट्रेशन पर्ची पर अंकित निर्धारित तिथि का सख्ती से पालन करें। प्रशासन ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या तय की गई है।

पंजाब में भाजपा का गठबंधन जनता से : नायब सैनी

डॉ. मुखर्जी जयंती कार्यक्रम में नायब सैनी का दावा, विकास के लिए पंजाब में चाहिए डबल इंजन सरकार

» प्रथम न्यूज । सुजानपुर (पठानकोट)
05 जुलाई (एएम नाथ)

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर सुजानपुर स्थित आर.एस. गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब की राजनीति और विकास को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का पंजाब में किसी राजनीतिक दल के साथ नहीं, बल्कि सीधे प्रदेश की जनता के साथ गठबंधन है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब के समुचित विकास और तेज प्रगति के लिए राज्य में डबल इंजन सरकार का गठन आवश्यक है।

पूर्व डिप्टी स्पीकर दिनेश सिंह बब्बू की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी माधोपुर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मारक पहुंचे, जहां उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने स्मारक परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू–कश्मीर से धारा 370 हटाकर डॉ. मुखर्जी के सपने को साकार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल घोषणाएं नहीं करती, बल्कि उन्हें धरातल पर लागू करने में विश्वास रखती है।

नायब सैनी ने हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए आयुष्मान योजना, महिलाओं को रियायती दर पर रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने और आर्थिक सहायता योजनाओं की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता अब विकास, पारदर्शिता और जवाबदेही चाहती है तथा आने वाले चुनाव में जनता अपने मत के माध्यम से फैसला करेगी।

कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी शर्मा, प्रदेश महामंत्री राकेश राठौर, पूर्व विधायक सीमा कुमारी सहित अनेक भाजपा नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुंबई के मानखुर्द इलाके में एक तीन मंजिला चॉल का गिरा हिस्सा, 6 की मौत, कई घायल

» प्रथम न्यूज । मुंबई
05 जुलाई (एजेंसी)

मुंबई के रिहायशी इलाकों से एक बार फिर डराने वाली खबर सामने आ रही है। मानखुर्द इलाके में रविवार रात को एक तीन मंजिला (त+3) चॉल का एक बड़ा हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। इस हादसे में 4 महिला समेत 6 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद राहत और बचाव दल तुरंत मौके पर रवाना कर दिया गया है।

यह दर्दनाक हादसा मानखुर्द के जनता नगर इलाके में हुआ। बताया जा रहा है कि रात के करीब 8ः30 बजे, जब लोग अपने घरों में मौजूद थे, तभी अचानक एक जोरदार आवाज के साथ चॉल का एक हिस्सा ढह गया। चॉल नंबर 5 के तहत आने वाले दो से तीन घर इस हादसे की चपेट में पूरी तरह से आ गए हैं। अचानक हुए इस हादसे से किसी को भी संभलने का मौका नहीं मिला।

मलबे में 4 से 5 लोगों के फंसे होने की आशंका

चॉल का हिस्सा गिरने के कारण 4 महिलाओं समेत 6 लोगों की मौत अब तक मौत हो चुकी है। वहीं, मलबे के नीचे कई लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मलबे के नीचे कम से कम 4 से 5 लोग दबे हो सकते हैं।

स्थानीय लोग और प्रशासन मिलकर मलबे में दबे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिशों में जुटे हैं, ताकि किसी भी तरह की जनहानि को रोका जा सके।

हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमें घटनास्थल पर पहुंची। युद्ध स्तर पर बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। मलबे को हटाने और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए क्रेन और अन्य जरूरी उपकरणों की मदद ली जा रही है। एहतियात के तौर पर आपातकालीन चिकित्सा टीमें और एम्बुलेंस भी मौके पर तैनात कर दी गई हैं।

17 जुलाई को जींद से दौड़ेगी देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

पीएम मोदी करेंगे भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का उद्घाटन

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
05 जुलाई (एएम नाथ)

हरियाणा के जींद से 17 जुलाई को देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन शुरू होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस ट्रेन को जनता को समर्पित करेंगे। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री के जींद दौरे की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, जबकि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेंगे। भारतीय रेलवे द्वारा विकसित यह ट्रेन ब्रॉड गेज पर दुनिया की सबसे लंबी 10 कोच वाली और 2400 किलोवाट क्षमता की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेन मानी जा रही है। एक बार ईंधन भरने पर यह करीब 250 किलोमीटर तक चल सकेगी। इसकी ट्रायल गति 120 किमी प्रति घंटा और परिचालन गति 75 किमी प्रति घंटा निर्धारित की गई है। ट्रेन का डिजाइन रिसर्च डिज़ाइनस एंड स्टैंडर्ड्स आर्गेनाईजेशन ने तैयार किया है, जबकि निर्माण इंटेग्राल कोच फैक्ट्री ने किया है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक से संचालित यह ट्रेन बिजली स्वयं उत्पन्न करती है और इससे केवल जलवाष्प व गर्मी निकलती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन शून्य रहता है। यह परियोजना स्वच्छ और टिकाऊ रेल परिवहन की दिशा में भारत का महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

चंडीगढ़ में 54 साल पुरानी दो मंजिला इमारत ढही, दो लोगों की मौत

इंडस्ट्रियल एरिया फेज-2 में बड़ा हादसा, घंटों चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद निकाले गए शव, बारिश और जर्जर भवन बने हादसे की वजह!, मलबे में दबे लोगों को बचाने में जुटीं एजेंसियां

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
05 जुलाई (पुनीत महाजन)

शहर के इंडस्ट्रियल एरिया फेज–2 में शनिवार शाम एक 54 साल पुरानी दो मंजिला व्यावसायिक इमारत अचानक ढह गई। हादसे के समय भवन के भीतर काम कर रहे कई लोग मलबे में दब गए। सूचना मिलते ही पुलिस, सिविल डिफेंस, एनडीआरएफ और अन्य राहत एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया गया। देर रात तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सभी लोगों को मलबे से बाहर निकाल लिया गया। हादसे में चार लोगों को पहले ही सुरक्षित निकाल लिया गया था, जबकि दो अन्य लोगों को रात करीब 9ः45 बजे मलबे से बाहर निकाला गया। दोनों को सफेद कपड़ों में लपेटकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी मौत की सूचना सामने आई। हालांकि देर रात तक प्रशासन की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा था। मलबे से जीवित निकले रमेश नामक व्यक्ति ने बताया कि हादसे के समय भवन के अंदर 20 से 25 लोग मौजूद थे। शाम करीब 4ः20 बजे अचानक भूकंप जैसे झटके महसूस हुए और देखते ही देखते पूरी इमारत भरभराकर गिर गई। इसके बाद अफरा–तफरी मच गई और लोग मलबे में दब गए।

एनडीआरएफ अधिकारी संजीव कोहली ने बताया कि बचाव कार्य के दौरान लेंटर को सुरक्षित करते हुए मलबे में फंसे लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया गया। जेसीबी की मदद से मलबा हटाया गया ताकि अंदर हवा पहुंचती रहे और लोगों की जान बचाई जा सके। इंडस्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष एमपीएस चावला के अनुसार, यह भवन वर्ष 1972 में निर्मित हुआ था और हाल ही में किराए पर दिया गया था। यहां स्क्रैप का कारोबार चल रहा था तथा रेनोवेशन का काम भी जारी था। लगातार हो रही बारिश और भवन की जर्जर स्थिति को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है। मेयर सौरभ जोशी ने भी बताया कि इमारत काफी पुरानी थी और उसमें मरम्मत का कार्य चल रहा था। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बद्रीनाथ धाम चढ़ावा चोरी

मंदिर समिति ने 6 कर्मचारियों को जारी किया नोटिस, 3 दिनों में मांगा जवाब

» प्रथम न्यूज । चमोली
05 जुलाई (ब्यूरो)

बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे की धनराशि की गणना को लेकर उठे विवाद के बीच बद्रीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छह कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सोहन सिंह रांगड़ ने निजी सहायक सहित छह कर्मचारियों को नोटिस जारी कर तीन दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

जिन कर्मचारियों को नोटिस जारी किया गया है, उनमें प्रमोद नौटियाल (वैयक्तिक सहायक), भूपेंद्र कुमार (सहायक लेखाकार), संदेश मेहता (प्रभारी खजांची), जगमोहन बर्त्वाल (प्रधान सहायक), संतोष तिवारी (प्रधान सहायक) तथा विवेक थपलियाल (प्रशासनिक अधिकारी) शामिल हैं।

नोटिस के अनुसार, प्रमोद नौटियाल से उनके विरुद्ध लगाए गए आरोपों के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं भूपेंद्र कुमार, संदेश मेहता, जगमोहन बर्त्वाल और संतोष तिवारी से चढ़ावे की धनराशि की गणना के दौरान निर्धारित ड्यूटी पर उपस्थित न रहने के संबंध में जवाब तलब किया गया है।

जबकि प्रशासनिक अधिकारी विवेक थपलियाल से बिना ड्यूटी लगाए धनराशि गणना स्थल पर मौजूद रहने के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है।

सीईओ ने सभी संबंधित कर्मचारियों को तीन दिनों के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद प्राप्त स्पष्टीकरण के आधार पर समिति द्वारा आगे की कार्रवाई की जाएगी।

2-3 माह में सस्ता हो सकता है पेट्रोल-डीजल : हरदीप पुरी

अनुकूल हालात रहे तो घटेंगे ईंधन के दाम, पचपदरा रिफाइनरी जल्द पूरी क्षमता से चलेगी

पेट्रोल-डीजल कीमतों में कटौती के संकेत, बोले पुरी, देश में नहीं बनी ईंधन संकट की स्थिति

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
05 जुलाई (ब्यूरो)

देशवासियों को आने वाले महीनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में राहत मिल सकती है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पूरी ने संकेत दिए हैं कि यदि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां अनुकूल बनी रहीं तो अगले दो से तीन महीनों में ईंधन के दामों में कमी संभव है। शनिवार को जोधपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि वर्तमान में रिफाइनरियों द्वारा उपयोग किया जा रहा कच्चा तेल लगभग दो महीने पहले खरीदा गया था, इसलिए वैश्विक बाजार में आए बदलावों का असर कुछ समय बाद दिखाई देता है।

पुरी ने कहा कि हाल में अमेरिका–ईरान तनाव और हार्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रमों का असर दुनिया के 193 देशों पर पड़ा, लेकिन भारत में ईंधन आपूर्ति बाधित नहीं हुई।

उन्होंने बताया कि एलपीजी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए निजी रिफाइनरियों की उत्पादन क्षमता 35 हजार से बढ़ाकर 55 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन की गई है।

इथेनॉल मिश्रण को लेकर उठ रहे सवालों पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसके संबंध में कई भ्रांतियां फैलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इथेनॉल का उपयोग नया नहीं है और इस पर दशकों से काम हो रहा है। वाहन निर्माता कंपनियां भी इसे सुरक्षित मान चुकी हैं।

पचपदरा रिफाइनरी का उल्लेख करते हुए पुरी ने कहा कि यह आधुनिक तकनीक पर आधारित देश की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से एक है और अगले तीन से चार महीनों में 100 प्रतिशत क्षमता के साथ काम शुरू कर देगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के दौरान रिफाइनरी परियोजनाएं लंबित रहीं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश पेट्रोलियम क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

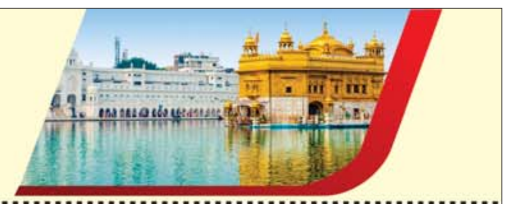

संक्षिप्त न्यूज

होशियारपुर जेल में भ्रष्टाचार का खुलासा, डिप्टी जेल सुपरिटेंडेंट समेत दो अधिकारी गिरफ्तार

वायरल वीडियो से खुली पोल, कैदियों तक ड्रग्स और मोबाइल पहुंचाने के आरोप में हुई कार्रवाई

होशियारपुर (ब्यूरो)– होशियारपुर जेल में वायरल वीडियो की जांच के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डिप्टी जेल सुपरिटेंडेंट हरभजन सिंह और कॉन्स्टेबल रविंदर सिंह को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि दोनों अधिकारी जेल के भीतर कैदियों तक ड्रग्स और मोबाइल फोन पहुंचाने के लिए तस्करों और अपराधियों से मिलीभगत कर रहे थे। होशियारपुर के एसएसपी संदीप मलिक ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि वायरल वीडियो के बाद गठित एसआईटी ने कई कैदियों से पूछताछ की, जिसमें दोनों अधिकारियों की भूमिका उजागर हुई। आरोप है कि वे प्रतिबंधित सामान जेल के अंदर पहुंचाने के बदले पैसे लेते थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

सरकारी एलीमेंट्री स्कूल चक्क हकीम में गणेश भगत ने मुख्य अध्यापक का पद संभाला

फगवाड़ा (ब्यूरो)– शिक्षा विभाग एलीमेंट्री पंजाब के ट्रांसफर सेल के आदेशों के अनुसार सरकारी एलीमेंट्री स्कूल चक्क हकीम, ब्लॉक फगवाड़ा-2, जिला कपूरथला में गणेश भगत ने मुख्य अध्यापक (हेड टीचर) का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर स्कूल के समस्त स्टाफ सदस्य सुरिंदर राम, कुलदीप कौर सैणी और श्रीमती नेहा सहित स्कूल मैनेजमेंट कमेटी की चेयरपर्सन बलजीत कौर एवं अन्य सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पदभार संभालने के बाद गणेश भगत ने स्कूल स्टाफ और स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों को भरोसा दिलाया कि वे पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ स्कूल के विकास और बेहतरी के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि स्कूल में विद्यार्थियों के दाखिले बढ़ाना उनकी प्राथमिकता होगी, ताकि अधिक से अधिक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके।

उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा जारी की जाने वाली विभिन्न अनुदान राशियों का उपयोग स्कूल के विकास कार्यों और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने में किया जाएगा, जिससे स्कूल की तस्वीर और स्तर में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।

इस अवसर पर ब्लॉक फगवाड़ा के नरूड़ सेंटर के सेंटर हेड टीचर सतनाम सिंह परमार, खजूरला सेंटर से सतनाम सिंह गिल, पंकज शर्मा, परमजीत सिंह चौहान, जसवीर भंगू, जसबीर हरपाल, जसविंदर सिंह, रामपाल और कुलदीप सिंह कौड़ा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने गणेश भगत को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

निश्शुल्क चिकित्सा शिविर के अवसर पर सेवा भारती ने ठंडे पानी का फव्वारा स्थापित किया

ज़ीरा, 05 जुलाई (अंग्रेज बराड़) – ज़ीरा विकास परिषद द्वारा फोर्टिस अस्पताल लुधियाना के सहयोग से आयोजित निश्शुल्क चिकित्सा शिविर के दौरान, सामाजिक और सेवा कार्यों के लिए प्रसिद्ध संस्था सेवा भारती ज़ीरा ने रोगियों, उनके परिवार के सदस्यों, डॉक्टरों और कर्मचारियों पर ठंडा पानी डालकर मानवता की सेवा का सराहनीय प्रयास किया। भीषण गर्मी के बावजूद, सेवा भारती के कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ सेवा में लगे रहे और प्रेम और सम्मान के साथ आने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर पानी डाला। उपस्थित लोगों ने इस प्रयास की सराहना की और इसे सेवा और समर्पण का एक सुंदर उदाहरण बताया। इस अवसर पर, सेवा भारती ज़ीरा के महा मंत्री राजिंदर बंसीवाल ने कहा कि समाज सेवा सबसे बड़ी सेवा है और जरूरतमंदों की निस्वार्थ सेवा ही मानवता का सच्चा धर्म है।

जालंधर में भीषण हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

गलत दिशा से दौड़ी इनोवा ने उजाड़ा परिवार, तीन मासूम बेटियां गंभीर घायल

करतारपुर फ्लाईओवर के पास दर्दनाक टक्कर, पति-पत्नी समेत तीन की जान गई

» प्रथम न्यूज । जालंधर/करतारपुर
05 जुलाई (डोगरा)

पंजाब के जालंधर-अमृतसर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार सुबह हुए एक भीषण सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। बिधीपुर स्थित आईटीबीपी कैंप फ्लाईओवर के पास गलत दिशा से आ रही तेज रफ्तार इनोवा कार ने सामने से आ रही स्विफ्ट कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि स्विफ्ट कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, स्विफ्ट कार में सवार परिवार अमृतसर से जालंधर की ओर जा रहा था। इसी दौरान रॉन्ग साइड से आ रही अनियंत्रित इनोवा कार ने उनकी गाड़ी को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा फोर्स और एम्बुलेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को वाहन से बाहर निकालकर करतारपुर के न्यू ऑर्थो केयर अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में उपचार के दौरान 27 वर्षीय प्रियंका तिवारी ने दम तोड़ दिया। कुछ समय बाद उनके पति सुरिंदर शुक्ला (29) और 65 वर्षीय सास जमवंती की भी मौत हो गई। हादसे में दंपति की तीन बेटियां अंशिका (13), अर्पिता (8) और एक वर्षीय मानवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। तीनों बच्चियों का अस्पताल में उपचार जारी है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह इनोवा चालक द्वारा गलत दिशा में वाहन चलाना बताई जा रही है। इस दर्दनाक घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है।

डिजिटल लर्निंग कार्यक्रम में पंजाब पूरे देश में प्रथम स्थान पर

अनुसूचित जाति मोर्चा की दूसरी उपलब्धि

चंडीगढ़(एएम नाथ)– भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत संचालित डिजिटल लर्निंग कार्यक्रम में पंजाब ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए डिजिटल प्रमाण-पत्र डाउनलोड करने के मामले में पूरे देश के सभी राज्यों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह हाल ही में अनुसूचित जाति मोर्चा की दूसरी उपलब्धि है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुच्चा राम लद्धड़, IAS (सेवानिवृत्त) ने पूरी पंजाब टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि यह सफलता टीम के समर्पण, अनुशासन और निरंतर परिश्रम का परिणाम है। श्री लद्धड़ ने विशेष रूप से श्रीमती भारती जंजुआ, वरिष्ठ अनुसूचित जाति नेता, की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पंजाब एससी मोर्चा की टीम ने इस अभियान को अत्यंत प्रभावी ढंग से संचालित किया, जिसके परिणामस्वरूप पंजाब पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने में सफल रहा। उन्होंने कहा कि डिजिटल लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक कार्यप्रणाली, सुशासन तथा नेतृत्व विकास का आधुनिक एवं प्रभावी प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

इससे संगठन और अधिक सशक्त एवं सक्षम बनेगा। श्री लद्धड़ ने पंजाब डिजिटल लर्निंग टीम के सभी सदस्यों-डॉ. धर्मपाल, ढ्डस (सेवानिवृत्त), मनोज चंदेल, संजीव अटवाल, ज्ञानी हरदीप सिंह, अमनप्रीत राय, मेजर अंजू बाला, प्रदीप कुमार, जसबीर सिंह तथा राजविंदर कौर-को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी तथा विश्वास व्यक्त किया कि पंजाब भविष्य में भी ऐसे ही उत्कृष्ट प्रदर्शन से पूरे देश के लिए प्रेरणा बनेगा।

भारत-पाक बॉर्डर के पास खेत में मिला संदिग्ध रॉकेट लॉन्चर, इलाके में मचा हड़कंप

फाजिल्का (ब्यूरो)– भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे रायपुर चंडीगढ़ गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब खेत में काम कर रहे मजदूरों को जमीन में दबी बम जैसी संदिग्ध वस्तु मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके को सुरक्षित करते हुए जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, खेत की सफाई के दौरान प्रवासी मजदूरों की नजर जमीन में दबी लोहे की एक वस्तु पर पड़ी। उन्होंने इसकी सूचना खेत मालिक को दी, जिसके बाद पुलिस को बुलाया गया। प्रारंभिक जांच में यह वस्तु पुराना रॉकेट लॉन्चर प्रतीत हो रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि सेना और बम निरोधक विशेषज्ञों की जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि यह वास्तव में रॉकेट लॉन्चर, बम या कोई अन्य सैन्य सामग्री है। शुरुआती अनुमान के मुताबिक यह वस्तु 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान इस्तेमाल किए गए सैन्य उपकरण का हिस्सा हो सकती है, लेकिन इसकी पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। गांव के सरपंच ने बताया कि खेत की सफाई के दौरान मजदूरों ने जमीन में दबी इस संदिग्ध वस्तु को देखा और खोदने पर यह बाहर निकली। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

फिलहाल पुलिस और संबंधित एजेंसियां मौके पर जांच में जुटी हैं। सुरक्षा के मद्देनजर क्षेत्र की निगरानी बढ़ा दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि बरामद वस्तु कितनी खतरनाक है और उसका वास्तविक स्वरूप क्या है।

स्वर्ण मंदिर में पहचान पत्र विवाद

मुख्यमंत्री भगवंत मान की तस्वीर वाले आईडी हटाने के निर्देश से मचा हंगामा

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
05 जुलाई (साहिब दयाल)

पंजाब के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल स्वर्ण मंदिर (गोल्डन टेंपल) में शनिवार को उस समय एक नया विवाद खड़ा हो गया, जब वहाँ पहुंचे कई श्रद्धालुओं को मुख्यमंत्री भगवंत मान की तस्वीर वाले पहचान-पत्र हटाने के निर्देश दिए गए। यह निर्देश श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में प्रवेश करने से पहले दिया गया।

मिली जानकारी के मुताबिक, ये श्रद्धालु पंजाब सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत राज्य के विभिन्न जिलों से सुबह-सुबह स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकने पहुंचे थे। इन सभी श्रद्धालुओं ने सरकार द्वारा जारी किए गए पहचान-पत्र पहन रखे थे, जिन पर मुख्यमंत्री भगवंत मान की तस्वीर छपी थी। मंदिर के बाहर मौजूद कुछ लोगों और संगत (श्रद्धालुओं) ने मुख्यमंत्री की तस्वीर वाले इन आईडी

कार्ड्स पर कड़ी आपत्ति जताई।

विवाद की मुख्य वजह

इस पूरे घटनाक्रम को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और मुख्यमंत्री के बीच चल रहे हालिया तनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि बीते 15 जून को अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज ने पांच सिख धर्मगुरुओं की बैठक के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान को गुरु द्रोही घोषित कर दिया था। यह कार्रवाई एक विवादित वीडियो के सामने आने के बाद की गई थी। हालांकि, मुख्यमंत्री मान और सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने इस वीडियो को पूरी तरह फर्जी बताते हुए कहा था कि वीडियो में दिख रहा व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं हैं।

प्रशासन और राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया - मामले के तूल पकड़ने पर SGPC के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मन्नन ने सफाई देते हुए कहा कि यह फैसला प्रशासन का नहीं था, बल्कि वहां मौजूद संगत ने ही कुछ श्रद्धालुओं के पहचान-पत्रों पर आपत्ति दर्ज कराई थी। दूसरी ओर, इस संवेदनशील मुद्दे पर जब आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता शशिवीर शर्मा से बात की गई, तो उन्होंने फिलहाल किसी भी तरह की टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया।

ऑपरेशन प्रहार-3 का जबरदस्त वार: लुधियाना में 100 से अधिक गिरफ्तार, नशा, हथियार और शराब माफिया पर कसा शिकंजा

नशा तस्करों, अवैध हथियार रखने वालों और शराब माफिया पर एक साथ कसा शिकंजा

» प्रथम न्यूज । लुधियाना
05 जुलाई (शाम सुन्दर सरपाल)

शहर में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा संगठित अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कमिश्नरेट पुलिस लुधियाना ने शनिवार को ऑपरेशन प्रहार-3 के तहत व्यापक स्तर पर विशेष अभियान चलाया। शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में एक साथ की गई इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा भारी मात्रा में नशीले पदार्थ, अवैध हथियार तथा अवैध शराब भी बरामद की गई।

पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में विभिन्न पुलिस टीमों ने संदिग्ध ठिकानों, संवेदनशील क्षेत्रों, अपराध प्रभावित इलाकों तथा संदिग्ध व्यक्तियों के ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। अभियान के दौरान कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया और कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। कमिश्नरेट पुलिस के अनुसार ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य शहर में सक्रिय नशा तस्करों, अवैध हथियार रखने वालों, शराब माफिया तथा अन्य आपराधिक तत्वों के नेटवर्क

को तोड़ना और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि शहर में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा भविष्य में भी इस प्रकार के विशेष अभियान लगातार जारी रहेंगे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। बरामद किए गए नशीले पदार्थों, हथियारों और अवैध

शराब के स्रोतों की भी गहन जांच की जा रही है ताकि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके। कमिश्नर पुलिस ने कहा कि लुधियाना को अपराध एवं नशामुक्त बनाने के लिए कमिश्नरेट पुलिस पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि यदि उनके आसपास किसी प्रकार की आपराधिक गतिविधि या नशा तस्करी की जानकारी हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी

केजरीवाल की नशा-मुक्त पंजाब की गारंटी फेल: केवल सिंह ढिल्लों

» प्रथम न्यूज । जालंधर
05 जुलाई (शैली अल्बर्ट)

भारतीय जनता पार्टी पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लों ने जालंधर में मीडिया से बातचीत के दौरान आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि साढ़े चार साल बीत जाने के बावजूद पंजाब से नशा खत्म करने की गारंटी पूरी तरह खोखली साबित हुई है। बल्कि नशे का प्रवाह पहले से कई गुना बढ़ गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि चुनावों से पहले अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के लोगों से वादा किया था कि राज्य से नशा केवल तीन महीनों में जड़ से खत्म कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि साढ़े चार साल बाद भी नशा खत्म होना तो दूर की बात है, बल्कि बड़ी संख्या में युवा पीढ़ी नशे की भेंट चढ़ रही है और सरकार का 'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान पूरी तरह विफल हो चुका है।

होशियारपुर जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट की गिरफ्तारी के मामले में प्रदेश अध्यक्ष ढिल्लों ने कहा कि जेलों में खुलेआम नशा बिकना सरकार की नाकामी को सिद्ध करता है। इसी जेल से वीडियो वायरल होना जेलों में खुलेआम मोबाइल फोन चलने का भी प्रमाण है। सरकार को सब कुछ पता होने के बावजूद वह चुटकुलों और ड्रामेबाज़ी में व्यस्त है।

उन्होंने कहा कि पंजाब इस समय गैंगस्टरवाद, नशे, बेरोज़गारी और बिगड़ती कानून-व्यवस्था से जूझ रहा है, जबकि मुख्यमंत्री बेंगलुरु में छुट्टियां मना रहे हैं। ढिल्लों ने तंज कसते हुए कहा कि पंजाब इस समय लावारिस हो चुका है और दिल्ली से हारे हुए घोटालेबाज़ राज्य को चला रहे हैं, जबकि जहां-

जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां विकास की रफ्तार तेज है।

उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि एक समय विकास के मामले में देश में पहले स्थान पर रहने वाला पंजाब आज 18वें स्थान पर खिसक गया है, जबकि 17वें स्थान पर रहने वाला उत्तर प्रदेश आज दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में लगातार उद्योग लग रहे हैं, कानून-व्यवस्था बेहतर है और पंजाब में फिर से खुशहाली केवल भाजपा सरकार ही ला सकती है।

महिलाओं को दिए गए 1000 रुपये प्रति माह योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 51 महीनों के 51,000 रुपये देने के बजाय केवल तीन महीनों की राशि देकर सरकार केवल ड्रामेबाज़ी कर रही है, जिससे पंजाब की महिलाओं के साथ बड़े स्तर पर धोखा हुआ है। कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए ढिल्लों ने कहा कि पार्टी आंतरिक कलह और नेतृत्व की लड़ाई में उलझी हुई है तथा पंजाब के लोगों से उसका कोई सरोकार नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने विश्वास जताते हुए कहा कि पार्टी 2027 में शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह के 'सरकार-ए-खालसा' के संकल्प को लेकर पंजाब में सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि आज पंजाब का हर वर्ग दुखी है और लोगों के लिए एकमात्र उम्मीद भारतीय जनता पार्टी है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

पेड़ से फंदे पर लटका मिला कूरियर कर्मचारी

शिमला (ब्यूरो)– जिस व्यक्ति की तलाश में परिवार पुलिस के पास पहुंचा था, वह अगले ही दिन शिमला के कुसुम्पटी स्थित हिमुडा कॉलोनी के पास जंगल में पेड़ से फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान 40 वर्षीय गोविंद सिंह के रूप में हुई है। वह मूल रूप से सिरमौर जिले के संगड़ाह का रहने वाला था और शिमला में विकास नगर क्षेत्र में रहकर एक निजी कूरियर कंपनी में काम करता था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच जारी है।

पुलिस के अनुसार गोविंद सिंह शनिवार से लापता था। उसकी पत्नी ने कुसुम्पटी पुलिस चौकी में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रविवार को कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि हिमुडा कॉलोनी के पास जंगल में एक व्यक्ति पेड़ से फंदे पर लटका हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

जांच के दौरान पुलिस ने व्यक्ति को पेड़ से फंदे पर लटका हुआ पाया। शव को नीचे उतारकर कब्जे में लिया गया और पोस्टमार्टम के लिए इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी) भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू से जांच कर रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी इंतजार किया जा रहा है।

सरकारी जमीन विवाद में कुत्ते से कराया हमला, पड़ोसी घायल

कोर्ट जाने की रंजिश में युवक ने छोड़ा पालतू कुत्ता, मामला दर्ज

ऊना (ब्यूरो)– ऊना जिले के हरोली उपमंडल के बीटन गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। टाहलीवाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुए इस मामले में एक युवक पर अपने पड़ोसी पर पालतू कुत्ते से हमला करवाने का आरोप लगा है।

पीड़ित जगदेव चंद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव में सरकारी भूमि पर कथित अवैध कब्जे को लेकर विवाद चल रहा था।

इस मामले में उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया था, जिससे आरोपी युवक उनसे नाराज था। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते युवक ने उन पर अपना कुत्ता छोड़ दिया। कुत्ते ने जगदेव चंद की बाईं टांग पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घटना के बाद पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ऊना के पुलिस अधीक्षक सचिन हिरेमठ ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बरोटीवाला में सड़क हादसा, ट्रक की टक्कर से बच्चे की मौत, चालक के विरुद्ध मामला दर्ज

बद्दी, 5 जुलाई (तारा) – पुलिस थाना बरोटीवाला क्षेत्र के अंतर्गत सिक्का होटल चौक के समीप एक सड़क दुर्घटना के संबंध में पुलिस थाना बरोटीवाला में अभियोग पंजीकृत किया गया है।

पुलिस दी शिकायत में शिकायतकर्ता राजेश कुमार पुत्र श्री राम अयोध्या कुमार, निवासी खेड़ा आशा, डाकघर प्यारेपुर, जिला गोपालगंज, बिहार हाल निवासी ऑरो स्पिनिंग मिल कॉलोनी, बद्दी ने बताया कि वह अपने मोटरसाइकिल पर अपने पुत्र विनायक उर्फ नमन तथा नैतिक के साथ हरिपुर बाबा से वापस लौट रहा था।

जब वे सिक्का होटल चौक के समीप पहुंचे तो पीछे से आए ट्रक नंबर NL-01Q-5151 के चालक कमलेश कुमार पुत्र श्री बिल्लू लाल, निवासी गांव खंडसर, डाकघर खंडसर, तहसील पोवायन, जिला शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश ने तेज रफ्तार एवं लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे तीनों मोटरसाइकिल स्वार सड़क पर गिर गए।

हादसे में विनायक उर्फ नमन के सिर में गंभीर चोटें आने के कारण उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस अधीक्षक विनोद धीमान ने बताया कि शिकायत के आधार पर ट्रक चालक के विरुद्ध पुलिस थाना बरोटीवाला में मामला दर्ज कर लिया गया है तथा दुर्घटना के संबंध में आगामी जांच एवं कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

एम्बुलेंस सड़क के लिए तरसे काटल की बाग के ग्रामीण

पट्टा मेहलोग,5 जुलाई (तारा) – विकास खंड धर्मपुर की ग्राम पंचायत कोट के उप गांव काटल की बाग, टिपरा व नौती के लोग 20 वर्ष बीत जाने के बाद भी एंबुलेंस रोड़ के लिए तरस रहे हैं। हालांकि विभाग ने वर्षों पूर्व कंडा से गांव काटल की बाग तक सड़क का निर्माण किया था ।लेकिन आज तक न तो लोक निर्माण विभाग ने इस सड़क को अपने अंडर लेने की पहल की व न ही इसकी मुरम्मत व देखरेख पर ध्यान दिया।

नतीजन इस सड़क की हालत बहुत खराब हो चुकी है ।वर्तमान में इसमें जगह जगह गड्ढे व नालियां बन गई है,जिससे किसी भी तरह का वाहन चलाना जोखिम भरा हो गया है। सड़क की हालत ठीक न होने की वजह से गांव के लोग अपने वाहनों को गांव से एक किलो मीटर पीछे खड़ी कर पैदल चलने को मजबूर है ।हैरानी इस बात की है कि तीन किलो मीटर लंबी यह सड़क वर्षों बीत जाने के बाद भी खस्ता हालत में है।

कोट पंचायत के पूर्व प्रधान मनीराम ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में इस सड़क को पक्का करने के लिए इसकी सेलिंग करवाई थी ,लेकिन उसके बाद इसे पक्का करने के कोई भी प्रयास नहीं किए गए ।उन्होंने बताया कि गांव के लोगों को धर्मपुर व सोलन जाने के लिए यह एक मात्र सड़क है ।उन्होंने संबंधित पंचायत व विभाग से इसे जनहित की सुविधा के लिए दुरुस्त करने की मांग की है।

एवरेस्ट विजेता रुचि ठाकुर को सीएम सुक्खू का सम्मान, एक लाख रुपये पुरस्कार की घोषणा

मुख्यमंत्री बोले, युवाओं के लिए प्रेरणा हैं रुचि ठाकुर, करसोग की बेटी ने बढ़ाया हिमाचल का मान

» प्रथम न्यूज । शिमला
05 जुलाई (बी. शर्मा)

शिमला स्थित ओक ओवर में रविवार को जिला मंडी की करसोग तहसील निवासी और माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली रुचि ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रुचि ठाकुर को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने रुचि की सफलता को प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताते हुए उन्हें एक लाख रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान करने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की बेटियां विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, परिश्रम और लगन से नई ऊंचाइयों को छू रही हैं तथा पूरे देश में प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माउंट एवरेस्ट पर विजय हासिल करना साहस, दृढ़ संकल्प और कठिन मेहनत का प्रतीक है। रुचि ठाकुर की यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

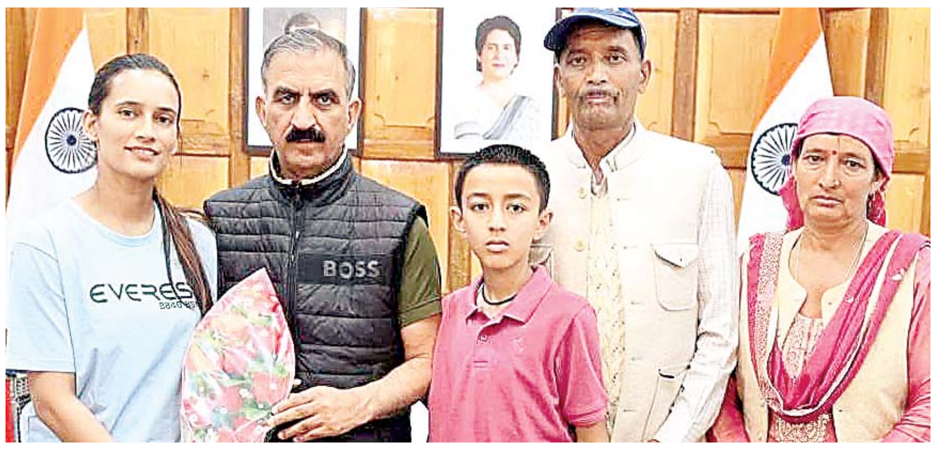

बशील में बनेगा बहुउद्देशीय पंचायत भवन, भूमि चयनित- डॉ. शांडिल

» प्रथम न्यूज । सोलन
05 जुलाई (बी.शर्मा)

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि सोलन विधानसभा क्षेत्र की प्रत्येक पंचायत में ग्रामीणों की मांग के अनुसार विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

डॉ. शांडिल आज कंडाघाट उपमंडल की ग्राम पंचायत ममलीग के गांव दोची में जन समस्याएं सुनने के उपरांत उपस्थित जनसमूह के साथ विचार विमर्श कर रहे थे। डॉ. शांडिल ने इससे पूर्व दोची स्थित मां भीमा काली माता मंदिर में पूजा अर्चना की तथा प्रदेश के लोगों के बेहतर स्वास्थ्य तथा सुख एवं समृद्धि की कामना की।

उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत ममलीग में वित्त वर्ष 2025-26 में विभिन्न विकास कार्यों पर लगभग 22 लाख रुपए व्यय किए गए है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की मांग के अनुसार बशील को नई पंचायत बनाया गया है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही बशील में पंचायत घर का निर्माण किया जाएगा जिसके लिए भूमि का चयन कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी औपचारिकताएं पूर्ण होने के उपरांत यहां बहुउद्देशीय पंचायत भवन का निर्माण किया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि कण्डाघाट उपमण्डल की ग्राम पंचायत क्वारग में लगभग 200 करोड़ रुपए की लागत से दिव्यांगजन शिक्षा उत्कृष्टता केन्द्र का निर्माण किया जा रहा है।

इसमें लगभग 300 दिव्यांग बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा, खेल मैदान तथा आवासीय सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। डॉ. शांडिल ने इस अवसर पर लोगों की समस्याएं सुनी और इनके शीघ्र निपटारे के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने श्री राधा-कृष्ण मंदिर संकीर्तन मंडली बशील को 11 हजार रुपये देने की घोषणा की तथा खंड विकास अधिकारी कण्डाघाट को निर्देश दिए कि मंदिर के सामुदायिक भवन का प्राक्कलन शीघ्र तैयार करें ताकि बजट का प्रावधान किया जा सके। इस अवसर पर ग्राम पंचायत ममलीग के प्रधान भूमि नन्द राठौर, उप प्रधान हरिदत्त शर्मा, भीमकाली माता मंदिर समिति के सचिव अमित कुमार, कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह, ग्राम पंचायत ममलीग की पूर्व प्रधान द्रोपदी राठौर, समाजसेवी त्रिलोक चन्द शांडिल, भगत राम, विकास खंड अधिकारी ओम प्रकाश शर्मा, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय सिंह, नायब तहसीलदार सुरेंद्र चंदेल सहित मंदिर कमेटी के सदस्य हेमराज, अनीता, राजेश वर्मा भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

भाजपा दून मंडल की मासिक बैठक में जिला प्रभारी ने दिए संगठन को मजबूत करने के टिप्स

» प्रथम न्यूज । बद्दी
05 जुलाई (गुरजीत सिंह)

भाजपा दून मंडल की मासिक बैठक रविवार को मंडल के उपाध्यक्ष और बी.डी.सी. पट्टा महलोग के चेयरमैन अशोक कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें जिला सोलन भाजपा के प्रभारी राज पाल ने संगठन को मजबूत करने के आवश्यक टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि सभी नेता या कार्यकर्ता अपने अपने बूथ को मजबूत करें। जिला सहप्रभारी वंदना योगी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म के बारे में बताया। और कहा कि 6 जुलाई को अपने अपने ग्राम केंद पर श्यामप्रसाद मुखर्जी की जयंती पर बैठक कर इस अभियान को सफल बनाएं। इस अवसर पर पूर्व विधायक परमजीत सिंह और अन्य ने हाल ही में संपन्न हुए पंचायत चुनावों में जीत के आए सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

और मिशन 2027 के लिए तैयार रहने को कहा। इस अवसर पर राजपाल,वंदना योगी,परमजीत सिंह, विनोद चंदेल,भरत साहनी,बलबीर सिंह,प्रभारी दून भाजपा और उपाध्यक्ष भाजपा सोलन धनीराम काला,कपिल ठाकुर,चेयरमैन अशोक कुमार, डी आर चंदेल आदि मौजूद रहे।

धुंदन स्कूल प्रबंधन समिति का गठन, सुनील ठाकुर अध्यक्ष व प्रेम भगत उपाध्यक्ष बने

» प्रथम न्यूज । अर्की
05 जुलाई (योगेश चौहान)

उपमंडल अर्की के अंतर्गत राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धुंदन में आयोजित आम सभा के दौरान स्कूल प्रबंधन समिति की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। इसमें सुनील ठाकुर को अध्यक्ष तथा प्रेम भगत को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। साथ ही कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों का भी चयन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत धुंदन के प्रधान जगदीश ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नई कार्यकारिणी की पहली मासिक बैठक एसएमसी अध्यक्ष सुनील ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में उप प्रधानाचार्य एवं वरिष्ठ प्रवक्ता महेंद्र पाल कौंडल ने प्रधानाचार्य मनोरमा कुमारी चड्ढा की ओर से सभी सदस्यों का स्वागत किया। प्रधानाचार्य ने बैठक के मुख्य बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में विद्यालय में प्रवक्ता (इतिहास), प्रवक्ता (वाणिज्य), कला स्नातक, भाषा अध्यापक, वरिष्ठ सहायक, चपरासी एवं चौकीदार के रिक्त पदों को शीघ्र भरने की मांग उठाई गई। एसएमसी अध्यक्ष सुनील ठाकुर ने प्रधानाचार्य से आग्रह किया कि इस संबंध में विधायक संजय अवस्थी से मिलकर आवश्यक कार्रवाई करवाई जाए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

सदस्यों ने कक्षा 9वीं से 12वीं तक होने वाली प्रथम टर्म परीक्षा को लेकर भी चिंता जताई। उनका कहना था कि अभी तक सीबीएसई की ओर से परीक्षा प्रणाली एवं प्रश्नपत्रों के संबंध में कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। इस विषय पर उच्च अधिकारियों से शीघ्र संपर्क करने का आग्रह भी किया गया।

बैठक में फोरलेन निर्माण कार्य के दौरान विद्यार्थियों की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया गया। कार्यकारिणी ने निर्णय लिया कि निर्माण कंपनी के वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक को पत्र लिखकर अनुरोध किया जाएगा कि सुबह 8:00 बजे से 9:30 बजे तथा दोपहर 3:00 बजे से 4:30 बजे तक विद्यालय के समय में हाईवे पर भारी निर्माण गतिविधियां और यातायात नियंत्रित रखा जाए, ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

बैठक में उपाध्यक्ष प्रेम भगत, वरिष्ठ प्रवक्ता महेंद्र पाल कौंडल, सदस्य श्यामलाल, मोहन लाल, विमला देवी सहित स्कूल प्रबंधन समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

बुद्ध की शिक्षाएं आज विश्व को दिशा देने में सक्षम : राज्यपाल कविंद्र गुप्ता

नालंदा की विरासत को हिमालयी मठों ने जीवित रखा : राज्यपाल

» प्रथम न्यूज । बैजनाथ
05 जुलाई (ब्यूरो)

राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में जब दुनिया हिंसा, असहिष्णुता, युद्ध, पर्यावरणीय संकट और नैतिक मूल्यों के क्षरण जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है, तब भगवान बुद्ध की करुणा, अहिंसा, मध्यम मार्ग और प्रज्ञा की शिक्षाएं पहले से अधिक प्रासंगिक हो गई हैं। उन्होंने कहा कि बैर का अंत बैर से नहीं, बल्कि प्रेम और करुणा से ही संभव है।

बैजनाथ के ताशीजौंग में नालंदा से हिमालय तक-बौद्ध ज्ञान परंपरा की अक्षुण्ण विरासत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए राज्यपाल ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय केवल शिक्षण संस्थान नहीं था, बल्कि विश्व ज्ञान का केंद्र था। समय के साथ इसका भौतिक स्वरूप भले ही नष्ट हो गया, लेकिन हिमालयी मठों और बौद्ध संस्थानों ने इसकी ज्ञान परंपरा, संस्कृति और पांडुलिपियों को संरक्षित रखा। राज्यपाल ने भारतीय हिमालयी नालंदा बौद्ध परंपरा परिषद द्वारा मठों में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के पाठ्यक्रम लागू करने की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा के बीच सेतु स्थापित होगा। उन्होंने युवाओं से जिज्ञासा, तार्किक चिंतन, अनुशासन, करुणा और मानव सेवा के मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। सम्मेलन का आयोजन भारतीय हिमालयी नालंदा बौद्ध परंपरा परिषद ने खम्पागर मठ, ताशीजौंग के सहयोग से किया। कार्यक्रम में बौद्ध दर्शन की समकालीन प्रासंगिकता और मठ शिक्षा के आधुनिकीकरण पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर अनेक धार्मिक, प्रशासनिक और शैक्षणिक क्षेत्र की हस्तियां उपस्थित रहीं।

धुंदन स्कूल में छात्राओं को पॉक्सो एक्ट, यौन शोषण से बचाव एवं व्यक्तिगत स्वच्छता की दी जानकारी

» प्रथम न्यूज । अर्की
05 जुलाई (योगेश चौहान)

उपमंडल अर्की के अंतर्गत राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धुंदन में विद्यालय की छात्राओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को यौन शोषण से बचाव, पॉक्सो एक्ट तथा व्यक्तिगत स्वच्छता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

प्रधानाचार्या मनोरमा कुमारी चड्ढा के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम में पॉक्सो समिति की प्रभारी पारुल ने छात्राओं को पॉक्सो एक्ट से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। वहीं, सेक्सुअल कमेटी की अध्यक्ष सुमन बद्दू ने छात्राओं को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

कार्यक्रम में विज्ञान स्नातक अनीता देवी ने छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी। हेल्थ केयर की व्यावसायिक अध्यापिका रंजना ठाकुर के नेतृत्व में छात्राओं को सेनेटरी पैड वितरित किए गए तथा सरकार द्वारा संचालित इस कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी भी दी गई।

इसके अतिरिक्त विद्यालय के पुरुष अध्यापकों द्वारा छात्रों के लिए भी जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान उप प्रधानाचार्य महेंद्र पाल तथा भारतेंदु भारद्वाज ने छात्रों के साथ इन विषयों से संबंधित आवश्यक जानकारी साझा की।

विद्यालय प्रशासन ने ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को विद्यार्थियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण बताया।

पारंपरिक मेलों से मिल रही हिमाचल की संस्कृति को नई पहचान : कुलदीप पठानिया

चलामा छिंज मेले में जुटी भीड़, विधानसभा अध्यक्ष ने दिए 71 हजार रुपये, चलामा छिंज मेला हर्षोल्लास से संपन्न, देशभर के पहलवानों ने दिखाया दमखम

» प्रथम न्यूज । चम्बा
05 जुलाई (एएम नाथ)

चंबा जिले के भटियात उपमंडल के चलामा में रविवार को पारंपरिक छिंज मेले का आयोजन हर्षोल्लास, उत्साह और पारंपरिक रंगत के साथ संपन्न हुआ। मेले में क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे नामी पहलवानों के रोमांचक मुकाबलों का आनंद उठाया। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में चलामा मेले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश के पारंपरिक मेले और उत्सव राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन आयोजनों का संरक्षण और संवर्धन समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि मेले, उत्सव और त्योहार केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि सामाजिक समरसता, भाईचारे और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने वाले महत्वपूर्ण मंच भी हैं। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए अपनी ऐच्छिक निधि से 71 हजार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। साथ ही भविष्य में भी मेले के विकास और बेहतर आयोजन के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान मेला आयोजन समिति ने विधानसभा अध्यक्ष को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में राज्य वन निगम के सदस्य निदेशक मंडल कृष्ण चंद्र चेला, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विजय कंवर, एसडीएम मनीष सोनी, वन मंडल अधिकारी रजनीश महाजन, बीडीओ अनिल गुराडा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

आज का

संपादकीय

हिमाचल पर्यटन : प्रचार की कमी और भरोसे का संकट

हिमाचल का पर्यटन केवल मौसम पर नहीं, बल्कि पर्यटकों के भरोसे पर भी निर्भर करता है। मानसून के दौरान सुरक्षा, त्वरित सूचना और प्रभावी प्रचार-प्रसार को प्राथमिकता बनाना होगा। पर्यटन विभाग और उद्योग जगत के संयुक्त प्रयासों से नकारात्मक धारणा को बदला जा सकता है। सही रणनीति अपनाई जाए तो बरसात का मौसम भी पर्यटन के लिए नए अवसरों का द्वार खोल सकता है।

एएम नाथ

हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका किसी परिचय की मोहताज नहीं है। लाखों लोगों की आजीविका सीधे और परोक्ष रूप से पर्यटन उद्योग पर निर्भर करती है। होटल, रेस्तरां, टैक्सी, ट्रैवल एजेंसियां, हस्तशिल्प, स्थानीय बाजार और ग्रामीण पर्यटन से जुड़े हजारों परिवार इसी क्षेत्र से अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं। ऐसे में जब भी पर्यटन गतिविधियों में गिरावट आती है, उसका असर केवल कारोबारियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यही कारण है कि मानसून की पहली बारिश के साथ शिमला, मनाली, कुल्लू और डलहौजी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में आई कमी चिंता का विषय है।

इस वर्ष हिमाचल में ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीजन काफी सफल रहा। शिमला में मई और जून के दौरान 18.5 लाख से अधिक वाहनों की आवाजाही इसका प्रमाण है। मनाली और अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों में भी होटल लंबे समय तक लगभग पूरी क्षमता के साथ संचालित होते रहे। इससे पर्यटन कारोबारियों और सरकार दोनों को राहत मिली थी। लेकिन जुलाई के शुरुआती दिनों में मानसून की दस्तक के साथ ही पर्यटकों की संख्या में अचानक गिरावट देखने को मिल रही है। मनाली में 40 से 50 प्रतिशत और शिमला में लगभग 30 प्रतिशत तक ऑक्यूपेंसी कम होने की खबरें इस बदलाव को स्पष्ट करती हैं।

इस स्थिति के पीछे केवल बारिश जिम्मेदार नहीं है। असल समस्या पर्यटकों के मन में पैदा हुआ भय है। वर्ष 2023 की प्राकृतिक आपदा ने हिमाचल की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया था। सड़कों के टूटने, बाढ़, भूस्खलन और इमारतों के ढहने की तस्वीरें और वीडियो पूरे देश में देखे गए। इसके बाद भी विभिन्न स्थानों पर प्राकृतिक आपदाओं की खबरें सामने आती रहीं। आज सोशल मीडिया के दौर में किसी एक घटना का वीडियो कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। परिणामस्वरूप, लोग पूरे प्रदेश को असुरक्षित मानने लगते हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि हिमाचल का अधिकांश हिस्सा सामान्य रहता है और पर्यटन गतिविधियां जारी रहती हैं। यहीं पर सरकार और पर्यटन विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि नकारात्मक खबरें तेजी से फैल सकती हैं, तो सकारात्मक संदेश भी उसी गति से पहुंचाए जा सकते हैं। दुर्भाग्य से पर्यटन विभाग के पास प्रचार-प्रसार के लिए पर्याप्त बजट नहीं होने की बात सामने आ रही है। यह स्थिति चिंताजनक है। जब प्रदेश की अर्थव्यवस्था का इतना बड़ा हिस्सा पर्यटन पर आधारित हो, तब उसके प्रचार को खर्च नहीं बल्कि निवेश के रूप में देखा जाना चाहिए। देश के अन्य पर्यटन राज्य मानसून, सर्दियों और ऑफ-सीजन को भी आकर्षक अवसर के रूप में प्रस्तुत करते हैं। हिमाचल के पास भी प्राकृतिक सौंदर्य, हरियाली, बादलों से ढकी घाटियां, झरने और शांत वातावरण जैसी अनेक विशेषताएं हैं, जिन्हें मानसून पर्यटन के रूप में प्रचारित किया जा सकता है।

यह भी सच है कि केवल प्रचार से काम नहीं चलेगा। पर्यटकों का भरोसा जीतने के लिए सुरक्षा संबंधी मजबूत व्यवस्था जरूरी है। सड़क नेटवर्क की स्थिति, मौसम संबंधी त्वरित सूचना, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी, आपदा प्रबंधन की तैयारी और पर्यटकों तक सही जानकारी पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि लोगों को यह विश्वास होगा कि किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन पूरी तरह तैयार है, तो उनकी झिझक काफी हद तक कम हो सकती है।

हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा 15 जुलाई से 11 सितंबर तक चुनिंदा होटलों में 20 से 40 प्रतिशत छूट देने की घोषणा स्वागत योग्य कदम है। इससे कुछ हद तक पर्यटकों को आकर्षित करने में मदद मिल सकती है। हालांकि केवल छूट देना पर्याप्त नहीं होगा। इसके साथ एक व्यापक प्रचार अभियान, डिजिटल मार्केटिंग, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स की भागीदारी, ट्रैवल एजेंसियों के साथ समन्वय और सुरक्षित पर्यटन स्थलों की जानकारी देने जैसी पहलें भी जरूरी हैं। पर्यटकों को यह संदेश मिलना चाहिए कि हिमाचल केवल गर्मियों का नहीं, बल्कि बारहों महीने घूमने योग्य राज्य है।

वर्तमान समय की मांग यह है कि हिमाचल मानसून पर्यटन की एक नई पहचान विकसित करे। प्रकृति प्रेमियों, फोटोग्राफरों, साहसिक पर्यटन के शौकीनों और शांत वातावरण की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए विशेष पैकेज तैयार किए जा सकते हैं। ग्रामीण पर्यटन, होम-स्टे और स्थानीय संस्कृति से जुड़े अनुभव भी आकर्षण का केंद्र बन सकते हैं।

अंततः पर्यटन केवल प्राकृतिक सुंदरता के भरोसे नहीं चलता, बल्कि भरोसे, सुरक्षा और प्रभावी प्रचार पर भी निर्भर करता है। हिमाचल के सामने चुनौती यह है कि वह प्राकृतिक आपदाओं की नकारात्मक छवि से बाहर निकलकर अपनी सकारात्मक पहचान को मजबूती से स्थापित करे।

यदि सरकार, पर्यटन विभाग और पर्यटन उद्योग मिलकर समन्वित रणनीति अपनाते हैं, तो मानसून का मौसम भी प्रदेश के लिए अवसर में बदल सकता है। हिमाचल के पास संसाधनों की कमी नहीं है, जरूरत केवल उन्हें सही दिशा में प्रस्तुत करने और पर्यटकों का विश्वास बनाए रखने की है।

भारत की सेवा में: मुस्लिम वीरता पुरस्कार विजेता, साहस और कर्तव्य की विरासत को दर्शाते हैं

सुरिन्दर पाल चौहान
चंडीगढ़

जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने डिफेंस इंवेस्टीचर सेरेमनी 2026 के दौरान देश के गैलेंट्री अवॉर्ड दिए, तो ये मेडल देश के कुछ सबसे खतरनाक ऑपरेशनल माहौल में किए गए असाधारण साहस के कामों को सम्मान देते थे। हर साइटेशन के पीछे भारत के लिए कर्तव्य, बलिदान और कमिटमेंट की कहानी छिपी थी। अवॉर्ड पाने वालों में कई मुस्लिम लोग भी थे, जिनकी गोलीबारी में बहादुरी इस बात की मज़बूत याद दिलाती है कि देश की रक्षा हर धर्म और क्षेत्र के भारतीयों की साझा ज़िम्मेदारी है।

खास तौर पर असम राइफल्स के असिस्टेंट कमांडेंट (अब डिप्टी कमांडेंट) मोहम्मद शफीक, छत्रक्कन के कांस्टेबल सद्दाम हुसैन, इंडियन एयर फोर्स के स्क्वाड्रन लीडर रिजवान मलिक और मरणोपरांत वीर चक्र पाने वाले सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज को मिली पहचान खास तौर पर ध्यान देने लायक हैं। उनके साथ, कांस्टेबल फेदा हुसैन डार एक बहादुरी वाले ऑपरेशन का हिस्सा थे, जिसमें उन्होंने ड्यूटी के दौरान बहुत हिम्मत दिखाई। उनकी कहानियां सिर्फ किसी की बहादुरी की कहानी नहीं हैं; वे भारत के सुरक्षा बलों की बड़ी कहानी के चैप्टर हैं, जहां यूनिफॉर्म बाकी सभी पहचानों से ऊपर है।

2 नवंबर 2024 के ऑपरेशन में, जिसे शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया, कांस्टेबल संजय तिवारी और फेदा हुसैन डार ने मुश्किल हालात में हिम्मत और प्रोफेशनलिज़्म दिखाया। कुछ दिनों बाद, 5 नवंबर 2024 को, असम राइफल्स के असिस्टेंट कमांडेंट मोहम्मद शफीक और छत्रक्कन कांस्टेबल सद्दाम हुसैन को भी ऐसा ही मौका मिला, जिसमें उनकी बहादुरी के कामों को पहचान मिली, जो सेवा की सबसे ऊँची परंपराओं को दिखाते हैं।

असम राइफल्स के ऑफिसर के बर्ताव ने उन खूबियों को दिखाया जो लंबे समय से भारत की फ्रंटलाइन फोर्सेज़ की पहचान रही हैं; लीडरशिप, दबाव में भी शांत रहना और मिशन की सफलता के लिए पक्का इरादा। इसी तरह, ऑपरेशनल हालात में सद्दाम हुसैन के कामों ने उन लोगों की अहम भूमिका को दिखाया जो अक्सर लोगों की नज़रों से दूर काम करते हैं, लेकिन देश के सिक्योरिटी सिस्टम के सेंटर में बने रहते हैं।

ऊपर आसमान में, स्क्वाड्रन लीडर रिज़वान मलिक को वीर चक्र मिला है, जिससे वे इंडियन एयर फ़ोर्स के उन जाने-माने अफ़सरों के ग्रुप में शामिल हो गए हैं जिन्हें देश के लिए ज़रूरी ऑपरेशन के दौरान बहुत हिम्मत दिखाने के लिए जाना जाता है। वीर चक्र, भारत का तीसरा सबसे बड़ा युद्ध के समय बहादुरी का अवॉर्ड है, जो दुश्मन के सामने बहादुरी दिखाने के लिए दिया जाता है। उनका यह सम्मान भारत के लड़ाकू एविएटर्स के प्रोफ़ेशनलिज़्म और ऑपरेशनल एक्सीलेंस का सबूत है।

सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तेयाज को मरणोपरांत वीर चक्र दिया जाना भी उतना ही दिल को छू लेने वाला है। ऐसे सम्मान उन लोगों के प्रति देश की गहरी कृतज्ञता दिखाते हैं जो अपना सर्वोच्च बलिदान देते हैं। भले ही मेडल समारोहों में दिए जाते हों, लेकिन उनका असली महत्व उन लोगों की जान में है जो साथी नागरिकों और गणतंत्र की रक्षा के लिए जोखिम में डालते हैं और कभी-कभी अपनी जान भी गंवा देते हैं।

ये गैलेंट्री अवॉर्ड पाने वाले मुस्लिम सैनिकों, एविएटर, नाविकों और सुरक्षा कर्मियों की लंबी लाइन में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने आज़ादी के बाद से भारत की खास सेवा की है। उनका योगदान 1947, 1965, 1971 के युद्ध के मैदानों, कारगिल और ऑपरेशन सिंदूर से लेकर आज के काउंटर-टेररिज्म, काउंटर-इंसर्जेंसी और इंटरनल सिक्योरिटी ऑपरेशन तक रहा है। उनकी सेवा हिम्मत, न्याय और इंसानी ज़िंदगी की सुरक्षा पर हमेशा रहने वाली इस्लामी शिक्षाओं से भी मेल खाती है।

भारत की डिफ़ेंस और सिक्योरिटी फ़ोर्स ऐसे आदर्शों पर बनी हैं – ड्यूटी, ईमानदारी, डिसिप्लिन और संविधान के तहत इंसाफ़ के लिए पक्का वादा। कुछ ही प्रोफ़ेशन इस आदर्श को उन प्रोफ़ेशन से ज़्यादा साफ़ तौर पर दिखाते हैं जिनमें लोगों को दूसरों की सुरक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है।

भारत के सुरक्षा बल देश में विविधता में एकता के सबसे मज़बूत उदाहरणों में से एक हैं। हर धर्म के लोग ऑपरेशनल एरिया में एक साथ खड़े रहते हैं, मुश्किलें, ज़िम्मेदारियाँ और जोखिम उठाते हैं। लड़ाई के मैदान में और काउंटर-टेरर ऑपरेशन में, किसी का धर्म मायने नहीं रखता, बल्कि उसका भरोसा, हिम्मत और साथी साथियों के प्रति उसका कमिटमेंट मायने रखता है। इस साल घोषित गैलेंट्री अवॉर्ड्स एक बार फिर इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत में देशभक्ति कभी किसी एक समुदाय की नहीं रही है। यह हर उस नागरिक की है जो खुद से ऊपर ड्यूटी को रखने को तैयार है।

जब देश अपने सम्मानित नायकों का जश्न मना रहा है, तो इन मुस्लिम अवॉर्ड पाने वालों की कहानियों को पहचान मिलनी चाहिए, इसलिए नहीं कि वे बहुत अच्छे मुसलमान हैं, बल्कि इसलिए कि वे बहुत अच्छे भारतीय हैं; ऐसे लोग जिनकी हिम्मत ने रिपब्लिक की सुरक्षा को मज़बूत किया और जिनकी सेवा ने भारत के डेमोक्रेटिक और प्लूरलिस्टिक कैरेक्टर को सबसे अच्छे तरीके से दिखाया। उनके मेडल उनकी निजी बहादुरी की निशानी हैं। उनकी विरासत हमें याद दिलाती है कि भारत की रक्षा हमेशा से एक मिलकर किया गया राष्ट्रीय काम रहा है।

उद्धव का आत्मिक परिवर्तन

शिवालिक अवस्थी

उद्धव जी का प्रसंग शुरू करने से पूर्व आइए जानते हैं उद्धव जी का जीवन परिचय। उद्धव भगवान श्री कृष्ण के चचेरे भाई थे। उद्धव थे तो श्री कृष्ण के भाई लेकिन फिर भी दोनों में घनिष्ठ मित्रता थी। उद्धव श्री कृष्ण के समान ही दिखाई देते थे। उन्हीं की तरह वेशभूषा धारण करते थे। उनके चरित्र की बात करें तो उद्धव ज्ञान के भडांर थे। उनके समान ज्ञान में कोई भी अग्रणी नहीं था। उद्धव ने योग, तप और ज्ञान से ही अपनी विद्वता का परचम चराचर जगत में लहराया था। ज्ञान के भंडार होने के बावजूद उद्धव प्रेम को नहीं मानते थे। या यूं कहें तो खुद को ज्ञानी मानते हुए वे प्रेम को मात्र मोह समझते थे। जितना महत्व वे ज्ञान योग को देते थे उतना महत्व प्रेम को कभी नहीं देते थे और यही बात श्री कृष्ण को अच्छी नहीं लगती थी। एक दिन भगवान श्री कृष्ण ने उन्हें प्रेम का साक्षात्कार करवाने हेतु व्रज की भूमि पर जाकर उनका संदेश पहुंचाने को कहा। दरअसल, भगवान श्री कृष्ण, उद्धव के भीतर प्रेम धारा प्रवाह करवाना चाहते थे।

इसीलिए भगवान श्री कृष्ण ने उद्धव से प्रार्थना करके कहा कि जाओ उद्धव भैया, आप गोकुल वृंदावन जाकर समस्त गोकुल और वृंदावन वासियों को ब्रह्म ज्ञान का प्रकाश फैलाकर उन्हें मोह माया से मुक्त करें। ताकि उन्हें किसी भी तरह का कोई विरह न सताए। उद्धव ने भगवान की आज्ञा मानकर व्रज जाने का निर्णय किया। उद्धव ने मथुरा से व्रज की ओर प्रस्थान किया। उद्धव जैसे ही व्रज पहुंचने वाले थे, वैसे ही गोपियों ने दूर से आते उद्धव के रथ को देखा। दूर से देखने पर उन्हें ऐसा प्रतीत हुआ मानो स्वयं भगवान श्री कृष्ण रथ पर आरूढ़ होकर हमारी ओर चले आ रहे हैं। लेकिन नजदीक आने पर उन्हें ज्ञात हुआ कि यह श्री कृष्ण नहीं बल्कि उनकी तरह वेशभूषा धारण किए हुए कोई अन्य पुरुष है। तब उद्धव ने बताया कि मैं श्री कृष्ण का भाई उद्धव हूं और उन्हीं का संदेश लेकर आपके पास आया हूं। श्री कृष्ण का कुछ संदेश आया है, यह सुनकर समस्त गोपियां अपनी सुध-बुध खोकर यह जानने को उत्सुक होने लगी कि हमारे श्री कृष्ण ने आखिर संदेश में लिखा क्या है? और तब शुरू हुआ उद्धव और गोपियों का संवाद।

फिर उद्धव जी ने ब्रह्मज्ञान का प्रसंग गोपियों के समक्ष कहना आरंभ किया। उन्होंने गोपियों को समझाने का प्रयास किया कि आप सभी को परब्रह्म का साक्षात्कार करना चाहिए जिससे तुम्हारे भीतर ज्ञान का पुंज प्रकाशित हो सके। परब्रह्म का कोई स्थाई आकार नहीं है बल्कि वह तो निराकार है। इसी निराकार स्वरूप को योग और तप के जरिए सरलता से देखा एवं समझा जा सकता है। यही असली सत्य है, बाकी प्रेम आदि तो केवल भ्रम मात्र है। आप सभी व्यर्थ में मोह माया के इस चक्कर में पड़े हैं। इस चक्र से बाहर निकलिए और देखो सृष्टि के रचयिता ने कितनी सुंदर प्रकृति का निर्माण किया है जिसमें हम अपना जीवन निर्वाह कर सकते हैं। यह जीवन केवल ज्ञान एकत्रित करने के लिए मिला है। इसलिए आप सभी के लिए मेरा एक परामर्श है कि कृष्ण का चिंतन करने के बजाए, उनके निराकार ब्रह्म रूप का साक्षात्कार करने का प्रयास करें। और यही सत्य तुम्हें मोह और प्रेम से कहीं दूर ले जाकर तुम्हारा कल्याण करेगा। और योग एवं तप के जरिए जब आप परम् ब्रह्म का साक्षात्कार कर लोगे तब तुम्हें आनंद की अनुभूति होगी और विरह से मुक्ति मिलेगी। सभी गोपियां उद्धव जी को बड़े ध्यान से देख रही थीं और यह सोच रही थीं कि उद्धव कितना अभागा है जो इसे प्रेम का मूल ज्ञान ही विदित नहीं है।

तब एक-एक करके सभी गोपियां कहने लगीं कि उद्धव भैया, ज्ञान में भले ही आप सर्वश्रेष्ठ होंगे लेकिन वो ज्ञान किस काम का जिसमें प्रेम रस की अनुभूति ही न हो। परब्रह्म का साक्षात्कार भला किसे करना है? हमारा तो सब कुछ केवल कृष्ण ही हैं। हमें तो ऐसा योग और तप चाहिए जो हमें हमारे कृष्ण के साथ मिला सके। और रही बात प्रेम में विरह की पीड़ा की तो विरह दो शरीरों का हो सकता है। लेकिन जिनका सब कुछ केवल एक में ही सम्मिलित हो, भला उन्हें विरह की पीड़ा कैसी? उद्धव भैया, आपको जरूरत है प्रेम की परिभाषा समझने की। एक दूसरी की भावनाओं का आदर व एक दूसरे के प्रति सम्मान के भाव को प्रेम कहते हैं। कोई भी सीमा प्रेम को बांध नहीं सकती। प्रेम स्वतंत्र होता है। प्रेम में दूरियां मायने नहीं रखती अपितु मर्यादाएं मायने रखती हैं और जो मर्यादाओं में रहकर एक दूसरे का आदर करते हैं, वही वास्तविक प्रेम की परिभाषा को समझ सकते हैं। प्रेम सत्य है, प्रेम विश्वास है, प्रेम ही भक्ति है व प्रेम ही भाव है। आसक्ति भी प्रेम का ही रूप है व मुक्ति भी प्रेम का प्रकार है। बिना प्रेम के जीवन फीका अथवा नीरस सा प्रतीत होने लगता है। ज्ञान का भले ही अंत हो सकता है लेकिन निस्वार्थ प्रेम का कभी अंत नहीं होता। वे मरकर भी जीवित रहता है। निस्वार्थ एवं सच्चे प्रेम में भगवान का साक्षात वास होता है। और श्री कृष्ण का हमारे हृदयों में साक्षात वास है। एक तरफ ज्ञान हमें व्यवहार, आचरण और प्रकृति आदि वाह्य विषय वस्तुओं का बोध करवाता है तो दूसरी ओर वास्तविक प्रेम हमें हमारी अंतरात्मा का बोध करवा कर हमारे भीतर छिपे छल, कपट और असत्य को हमसे दूर ले जाता है। आप किस ब्रह्म की बात कर रहे हैं उद्धव भैया? बिना प्रेम के भक्ति संभव नहीं और बिना भक्ति के भगवान मिलना संभव नहीं। भाव के बिना प्रेम को समझना कठिन है। प्रेम में समर्पण और सेवा का भाव होता है। प्रेम के ऐसे भाव सुनकर उद्धव का सर चकराने लगा। वे धीरे-धीरे प्रेम रस में डूबने लगे। तब उन्हें आभास हुआ कि भगवान श्री कृष्ण ने क्यों उन्हें गोपोयों के पास भेजा है। प्रेम की ऐसी गूढ़ बातें सुनकर ज्ञानी उद्धव भी श्री राधा-कृष्ण के प्रेमी बन गए।

अच्छे कर्म कीजिए जिंदगी का कारवां धीरे धीरे गुजर रहा है

अच्छे कर्म कीजिए बुरे कर्म छोड़ कीजिए। जिंदगी का कारवां धीरे धीरे गुजर रहा है मानव जीवन अनमोल हैं।आधुनिक मानव माया के मायाजाल में पागल चुका है दिन रात माया के पीछे भाग रहा है। मानव अकूत माया इकक्ठी करने के चक्कर में अपना जमीर बेच रहा है। संवेदनहीन हो गया है संवेदनाएं मर चुकी हैं।खून के रिश्ते टूट रहे हैं खत्म होते जा रहे हैं। दूरियां व फासले बढ़ते ही जा रहे हैं।रिश्तों का व्याकरण बदलता जा रहा है चंद स्वार्थों के लिए रिश्तों को तोड़ा जा रहा है। मानव आज इंटरनेट की दुनिया में अति व्यस्त हो गया है उसे कोई चिंता नहीं है कि कौन जी रहा कौन मर रहा है किसी से कोई सरोकार नहीं है।मानव ताउम्र बुरे कर्म करता रहता है लेकिन अंतिम पड़ाव पर जब पहुंचता है तब अपने कर्मो का प्रायश्चित करता है। लालच व मोहमाया के चक्कर में रिश्तों का कत्लेआम कर रहा है। जर,जोरु जमीन के लिए खून बहा रहा है।नैतिक मूल्यों का पतन होता जा रहा है यह पतन की पराकाष्ठा है।,संस्कारों का जनाजा निकाला जा रहा है।मानव जीवन दुर्लभ है मानव जीवन एक बार ही मिलता है इसलिए किसी का बुरा मत कीजिए बल्कि अच्छा कीजिए। दुनिया में कोई भी अमर नहीं रहता क्योंकि दुनिया में जो आया है उसे एक दिन दुनिया से रुख्स्त होना पड़ेगा यह अटल सच है और मौत एक अटल सच्चाई है चाहे राजा हो या रंक किसी को नहीं छोड़ती मौत कभी भेदभाव नहीं करती।जीवन में अच्छे कर्म करो ताकि मौत के बाद भी समाज याद करता रहे।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीयता की मिसाल पेश करती सद्भावपूर्ण कारगुज़ारियां

दुनिया में भारत की पहचान अनेकता में एकता रखने वाले देश के रूप में बनी हुई है। विविधता ही हमारे देश की एक ऐसी सबसे बड़ी विशेषता है जो पूरे विश्व को भारत की ओर आकर्षित करती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। अनेक तरह की भाषाएं,अलग अलग रंग, अलग खानपान, विभिन्न प्रकार की पोशाकें,अनेक क़िस्म के धर्म,जातियां,रीति रिवाज,मान्यताएं तथा विश्वास आदि हमारे देश को एक रंग बिरंगे ख़ुशबूदार गुलदस्ते के रूप में दुनिया के सामने पेश करते हैं। परन्तु पिछले एक दशक में एक ऐसी साम्प्रदायिकतावादी विचारधारा ने सत्ता पर नियंत्रण हासिल कर लिया है जिसे शायद हमारे देश की यह विविधता व सर्वधर्म समभाव रास नहीं आता। यह विचारधारा पूरे देश को एक ही रंग में रंगना चाहती है। और अपने इस मक़सद को पूरा करने के लिये यह शक्तियां पूरे देश में सांप्रदायिकता व जातिवाद का ज़हर घोलने के प्रयास हो रहे हैं। दु:ख की बात तो यह है कि इन दुष्प्रयासों में लगे लोग इंसानियत को भी भूल चुके हैं।

भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के मध्य तो जैसे नफ़रती एजेंडे पर तेज़ी से अमल करने की प्रतिस्पर्धा लगी हुई है। उत्तर प्रदेश, आसाम, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बंगाल जैसे राज्यों में कौन मुख्यमंत्री कितनी मस्जिदें गिराता है कितनी दरगाहों व मदरसों पर बुलडोज़र चलता है,कितने मुसलमानों के घर ज़मींदोज़ करता है, इसे लेकर इनमें गोया होड़ लगी हुई है। सैकड़ों मस्जिदों व मदरसों को धराशायी करने वाले राज्य उत्तर प्रदेश में ही अभी पिछले ही दिनों संभल के नख़ासा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम-कसेरुआ में स्थित ऐतिहासिक %मुस्तफ़ा क़ादरी मस्जिद% को प्रशासन द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीक़े से बुलडोज़र से ध्वस्त कर दिया गया। जबकि बताया जा रहा है कि यह मस्जिद उत्तर प्रदेश सरकार के सरकारी गज़ट में बाक़ायदा वक़्फ़ जायदाद के तौर पर दर्ज है। सवाल यह उठता है कि जो इबादतगाह राज्य सरकार के आधिकारिक रिकॉर्ड्स में दर्ज हो, उसे रातों-रात एक सोची-समझी साज़िश के तहत %अवैध% कैसे घोषित किया जा सकता है? इस तरह की कार्रवाई सीधे तौर पर मस्जिद को ध्वस्त करने की एक गहरी राजनीतिक साज़िश का हिस्सा है। साफ़ है कि भाजपा सरकार मुसलमानों को निशाना बनाते हुये दमनकारी, पक्षपातपूर्ण और अलोकतांत्रिक तरीक़े से अपनी %बुलडोजर नीति% लागू कर रही है।

सत्ता संरक्षित व पोषित इस नफ़रत में कुछ लोग तो इतने अंधे हो गए हैं कि लंगर भंडारा लगाते समय किसी का धर्म पूछकर उस के हाथों से प्रशाद की थाली तक वापस छीने ले रहे हैं ? धर्म जाति देखकर सार्वजनिक प्याऊ से पानी पीने तक के लिये मना कर रहे हैं ? किसी दाढ़ी टोपी वाले को लंगर की थाली देकर उसके खाने से पहले जयश्रीराम बोलने का दबाव डाला जा रहा है ? परन्तु हक़ीक़त में यह सब कुछ हो तो ज़रूर रहा है परन्तु इसके लिये सत्ता व संबंधित संगठनों को योजनाबद्ध तरीक़े से काफ़ी मशक़्क़त करनी पड़ रही है। इसके लिये सत्ता का दुरूपयोग भी हो रहा है और लाखों निठल्ले बेरोज़गार व अपराधी क़िस्म के लोग सत्ता का संरक्षण पाकर बेलगाम होकर धर्म व जाति विशेष के लोगों के साथ अमानवीय तरीक़ों से पेश आ रहे हैं। परन्तु जिस देश की रगों में राम रहीम कबीर रसखान जायसी नानक फ़रीद बुल्लेशाह चिश्ती औलिया जैसे महापुरुषों संतों व फ़क़ीरों के संस्कार सीख व शिक्षाएं प्रवाहित हो रही हों उस देश पर यह संगठित नफ़रती गिरोह लंबे समय तक अपनी एकरंगी नफ़रती विचारधारा हरगिज़ नहीं थोप सकते।

उदाहरणार्थ पिछले दिनों भारत सहित पूरे विश्व में करबला के शहीदों के नाम पर मुहर्रम संबंधी आयोजन किये गये। जगह जगह ताज़िये रखे गये। इस मौक़े पर पूरे देश में सैकड़ों जगह ऐसे दृश्य देखे गये जबकि हिन्दुओं ने ताज़ियादारी की और मुहर्रम मनाया। कुछ जगहें तो ऐसी भी थीं जहाँ एक भी मुसलमान नहीं रहते परन्तु दशकों से केवल हिन्दू समाज के लोग ही ताज़िया व अलम उठाते व मुहर्रम मनाते आ रहे हैं। सैकड़ों जगहों पर हिन्दू व मुसलमान बिना किसी भेदभाव के लंगर बांटते व ग़रीबों की मदद करते दिखाई दिये। बिहार में तो मुहर्रम को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि लोक एवं साझा सामाजिक संस्कृति के रूप में मनाया जाता है। अनेक हिन्दू बाहुल्य इलाक़ों में ताज़िया-जुलूस के साथ मजलिस, फ़ातिहा पढ़ने और कर्बला की घटना को याद करने की परंपरा है। बिहार के संदर्भ में तो यह भी उल्लेखनीय है कि मुहर्रम की परंपरा को कई जगह वादा, वफ़ा और विरासत के रूप में याद किया जाता है। यानी यह केवल शोक का आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, परस्पर सम्मान और साझा इतिहास का प्रतीक बन चुका है। बिहार में ही मुहर्रम का एक ख़ास ऐतिहासिक पक्ष यह भी है कि कई गांवों में हिंदू समुदाय पीढ़ियों से ताज़िया, मातम और जुलूस की परंपरा निभाता आ रहा है। उदाहरण के तौर पर कटिहार के महमदिया हरिपुर गांव में पिछले सौ साल से अधिक समय से हिंदू लोग मुहर्रम मनाते आ रहे हैं, जिसे स्थानीय लोग पूर्वजों के वादे और गंगा-जमुनी तहज़ीब की विरासत से जोड़ते हैं।

निर्मल रानी

इसी बीच राजस्थान में कई जगहों से साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव की ऐसी मिसालें देखने को मिलीं जिसने यह साबित कर दिया कि सत्ता की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में हिन्दू मुस्लिम एकता व भाईचारे को दुनिया की कोई भी ताक़त मिटा नहीं सकती।

ग़ौरतलब है कि पिछले दिनों राजस्थान सरकार के निर्देश पर राज्य के बाड़मेर व जैसलमेर जैसे सीमावर्ती ज़िलों में अनेक मस्जिदों को बुलडोज़र से ध्वस्त कर दिया गया। ज़ाहिर है इससे मुस्लिम समाज में भय व शोक व्याप्त हो गया।

परन्तु इसके विरोध में भारी संख्या में स्थानीय हिन्दू समाज के पुरुष महिलाएं बुज़ुर्ग व युवा सभी ने इकट्ठे होकर सर्व धर्म शांति मार्च निकले व सभाएं आयोजित कीं। राजस्थान के हिन्दू समाज ने न केवल इन धर्मस्थलों के ध्वस्तीकरण का विरोध किया बल्कि मुसलमानों के साथ अपनी एकता व एकजुटता का भी प्रदर्शन किया। कई जगह राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन स्थानीय ज़िला कलेक्टर को सौंपे गए जिसमें सरकार की इस धर्मस्थल ध्वस्तीकरण कार्रवाई का विरोध किया गया। लोगों ने इसे धार्मिक आस्था और सामाजिक सौहार्द से जुड़ा मुद्दा मानते हुए शांति, भाईचारे को क़ायम रखने और ध्वस्तीकरण की इस कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। निश्चित रूप से नफ़रत फैलाने के अफ़सोसनाक राजकीय प्रयासों के बीच प्रेम,शांति व सद्भाव की ऐसी कारगुज़ारियां भारतीयता की सच्ची मिसाल पेश करती हैं।

प्रथम न्यूज के लिए संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक विवेक धीर द्वारा मकान नंबर 143-ए, आदर्श नगर, जालंधर (पंजाब) से प्रकाशित एवं न्यू दशमेश प्रिंटर्स 178-179 रणजीत नगर, जालंधर (पंजाब) से मुद्रित। फोन : 7973508344 । सभी विचारों का न्यायाधिकार क्षेत्र जालंधर होगा। R.N.I. Regd. NO. PUNHIN/2010/36540

संक्षिप्त न्यूज

श्री संगमेश्वर सेवा दल अरुणाय इस्माईलाबाद ब्रांच ने लगाई मीठे पानी की छबील, सामाजिक सेवा कार्यों की हुई सराहना

इस्माईलाबाद (सुनील कोमल) भीषण गर्मी से राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से श्री संगमेश्वर सेवा दल अरुणाय, इस्माईलाबाद ब्रांच की ओर से बस स्टैंड के समीप मीठे पानी की छबील लगाई गई। छबील में बड़ी संख्या में राहगीरों, वाहन चालकों एवं स्थानीय लोगों ने मीठा जल ग्रहण कर सेवा दल के इस जनसेवा कार्य की सराहना की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सेवा दल के प्रबंधक एवं सचिव श्री भूषण गौतम उपस्थित रहे। उनके साथ इस्माईलाबाद ब्रांच के संरक्षक राजेश कंसल, बलदेव राज तथा श्री जय नारायण शर्मा, शाखा प्रधान सुनील कोमल ने भी छबील सेवा में भाग लेते हुए श्रद्धालुओं एवं राहगीरों को मीठा पानी वितरित किया।

मुख्य अतिथि श्री भूषण गौतम ने इस्माईलाबाद ब्रांच द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं जनहित के कार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि ब्रांच के सदस्य पूरे समर्पण और सेवा भावना के साथ समाज की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के मौसम में प्यासे लोगों को शीतल एवं मीठा जल पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस्माईलाबाद ब्रांच भविष्य में भी इसी प्रकार मानव सेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते हुए समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

इस अवसर पर सेवा दल के सदस्यों ने पूरे सेवा भाव के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाईं तथा अधिक से अधिक लोगों से मानव सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

इस मौके पर नरेश बंसल, रक्षित कंसल, चैयरमेन के प्रतिनिधि चिरंजीवी गर्ग, सीटू कंसल, रूपेश गांधी, दर्शन लाल काठगढ़,रवि कंसल, अशोक सेठी, कुलदीप, मनदीप सिंह, पुनीत छोड़ा, आर्यन, अंशुल सिंगल, नरेश सिंगला, राजेश भोला, सुनील बालापुर,अभिषेक, राजन, शिवम शर्मा, हरदीप जांगड़ा, नवदीप, जय सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खेल, प्राकृतिक खेती, पानी की एक-एक बूंद बचाने पर कर रही है काम : डा. गणेश दत्त

लाडवा 05 जुलाई (बृज मोहन) मार्केट कमेटी लाडवा चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खेल, प्राकृतिक खेती, पानी की एक-एक बूंद बचाने और वॉकल फोर लोकल पर काम कर रही है। सरकार द्वारा किसानों को बागवानी व अन्य फसलें उगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार का प्रयास है कि किसान अधिक से अधिक जल को बचाएं और प्राकृतिक खेती को अपनाएं।

मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्त मार्केट कमेटी कार्यालय में व्यापारियों व आढ़तियों से समस्याओं पर चर्चा कर रहे थे। व्यापारियों व आढ़तियों ने चेयरमैन को समस्याओं का समाधान करवाने के लिए लिखित में पत्र भी सौंपा। इस पर चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने आश्वासन दिया कि वो मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को मिलकर सभी समस्याओं का हल करवाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश के नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व के मुद्दों पर जागरूक कर रहे हैं। सरकार की नीतियों को नागरिकों तक पहुंचाना और उनकी प्रतिक्रिया जानना भी इसका एक महत्वपूर्ण पहलू है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लगातार आम जनता के बीच संवाद करके नई-नई नीतियों को लागू कर रहे हैं।

मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार विकास कार्य करवा रही है। इन विकास कार्यों का प्रत्येक वर्ग को लाभ पहुंच रहा है। सरकार ने प्रदेश को विकसित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की हैं। उनमें अमृत सरोवर प्लस भी एक शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार ने युवाओं को मेरिट के आधार पर नौकरी मिल रही है। सरकार आगे भी ऐसे ही कार्यों से प्रदेश का विकास करती रहेगी।

इस मौके पर सचिव संत कुमार, श्याम सुंदर सैनी, विजय सिंह भुल्लर मंडी प्रधान, जगदीश चंद्र, जयदेव बपदा, साहब सिंह, राहुल सैनी, सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

हरियाणा में बनेगा आपदा प्रतिक्रिया बल

एनडीआरएफ की तर्ज पर तैयार होगी नई रेस्क्यू बटालियन

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
05 जुलाई (एएम नाथ)

ऊंची इमारतों में लगने वाली आग, औद्योगिक हादसों, बाढ़ और भूकंप जैसी आपदाओं से निपटने के लिए हरियाणा अब दूसरे राज्यों की ओर नहीं देखेगा।

तेजी से बदलते शहरी परिदृश्य और हाल के वर्षों में दिल्ली तथा लखनऊ समेत विभिन्न शहरों में सामने आई भयावह आग की घटनाओं से सबक लेते हुए हरियाणा की नायब सरकार पहली बार अपना हरियाणा आपदा प्रतिक्रिया बल (एचडीआरएफ) गठित करने जा रही है।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की तर्ज पर बनने वाली यह विशेष बटालियन जींद जिले के उचाना से पूरे प्रदेश में राहत एवं बचाव अभियानों का संचालन करेगी।

हरियाणा का आपदा प्रबंधन तंत्र पूरी तरह आधुनिक

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसकी घोषणा करते हुए स्पष्ट किया कि बदलते समय की चुनौतियों के अनुरूप हरियाणा का आपदा प्रबंधन तंत्र पूरी तरह आधुनिक बनाया जाएगा।

यह केवल एक नई बटालियन का गठन नहीं, बल्कि राज्य के आपदा प्रबंधन ढांचे में बड़ा बदलाव है। अब तक किसी बड़े हादसे की स्थिति में हरियाणा को एनडीआरएफ की टीमों के लिए पड़ोसी राज्यों का इंतजार करना पड़ता था। कई बार राहत एवं बचाव अभियान शुरू होने में हुई देरी से नुकसान बढ़ जाता था। नई व्यवस्था लागू होने के बाद राज्य के पास अपनी प्रशिक्षित, सुसज्जित और हर समय तैयार रहने वाली विशेष रेस्क्यू फोर्स होगी, जिससे आपदा के शुरुआती और सबसे महत्वपूर्ण समय यानी गोल्डन आवर में ही राहत अभियान शुरू किया जा सकेगा।

1149 जवानों की पूरी बटालियन

हरियाणा सरकार ने एचडीआरएफ का मुख्यालय जींद के उचाना में स्थापित करने का निर्णय भी रणनीतिक आधार पर लिया है। लगभग 20 एकड़ भूमि पर बनने वाले इस परिसर से 1,149 जवानों की पूरी बटालियन संचालित होगी। हरियाणा के मध्य में स्थित होने के कारण यहां से राज्य के लगभग सभी जिलों तक कम समय में पहुंचा जा सकता है। यही वजह है कि किसी भी जिले में आग, बाढ़, भवन गिरने, सड़क दुर्घटना, औद्योगिक विस्फोट, रासायनिक हादसे या अन्य आपदा की स्थिति में विशेष टीमों को तेजी से रवाना किया जा सकेगा।

एक दशक में बदला हरियाणा का जोखिम स्वरूप

हरियाणा का जोखिम स्वरूप पिछले एक दशक में तेजी से बदला है। गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत और पंचकूला जैसे शहरों में बहुमंजिला इमारतों और बड़े व्यावसायिक परिसरों की संख्या लगातार बढ़ी है। वहीं पानीपत, फरीदाबाद, बहादुरगढ़ और गुरुग्राम के औद्योगिक क्षेत्रों में रसायन आधारित उद्योगों के विस्तार से औद्योगिक दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ा है।

दूसरी ओर पुराने शहरों की संकरी गलियां आज भी अग्निशमन विभाग के लिए चुनौती बनी हुई हैं। गुरुग्राम की हाईराइज सोसायटियों, औद्योगिक इकाइयों और गोदामों में समय-समय पर लगी आग तथा प्रदेश के विभिन्न जिलों में फैक्ट्री और बाजारों में हुए अग्निकांड इस बात का संकेत है कि पारंपरिक व्यवस्था अब भविष्य की चुनौतियों के लिए पर्याप्त नहीं है। इसी आवश्यकता को देखते हुए सरकार अग्निशमन विभाग को भी नई तकनीक से लैस करने जा रही है।

विश्व स्तरीय सुविधाओं वाली आधुनियर फायर टेंडर गाड़ियां

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के अनुसार विश्वस्तरीय सुविधाओं वाली आधुनिक फायर टेंडर गाड़ियों की खरीद प्रक्रिया चल रही है। इसके साथ ही फायर ब्रिगेड को लगभग एक किलोमीटर लंबे पाइप उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि ऐसे इलाकों में भी प्रभावी ढंग से आग बुझाई जा सके जहां बड़े वाहन पहुंचना संभव नहीं होता।

उनके अनुसार, एचडीआरएफ बनने से हरियाणा केवल आपदा के समय तेजी से प्रतिक्रिया देने में सक्षम नहीं होगा, बल्कि आपदा प्रबंधन के मामले में आत्मनिर्भर भी बनेगा।

यह बल विशेष प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरणों और त्वरित तैनाती क्षमता के कारण जनहानि कम करने, संपत्ति की सुरक्षा बढ़ाने और बड़े हादसों के दौरान राहत कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान ने भारत की एकता, अखंडता को किया मज़बूत - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना आर्टिकल 370 हटाकर हुआ पूरा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
05 जुलाई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए सबसे बड़ा बलिदान दिया। उन्होंने जो आवाज़ उठाई और जो सपना देखा, उसे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाकर पूरा किया है। आज, भारतीय तिरंगा कश्मीर से कन्याकुमारी तक शान से लहरा रहा है। श्री नायब सिंह सैनी रविवार को पंजाब के पठानकोट में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के मौके पर बोल रहे थे। इस मौके पर पठानकोट के विधायक श्री अश्विनी शर्मा, पंजाब विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर श्री दिनेश बब्बू, पूर्व विधायक सीमा कुमारी और दूसरे वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पठानकोट सिर्फ़ एक शहर नहीं बल्कि 'भारत माता' की उत्तरी सीमा है। यह बहादुर योद्धाओं, शहीदों, देशभक्तों और देश के महान सपूतों की धरती है, जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। यहां की मिट्टी में वीरता की खुशबू और हवा में देशभक्ति की भावना है।

उन्होंने कहा कि इतिहास कुछ खास शख्सियतों को सिर्फ़ किताबों से नहीं, बल्कि उन पीढ़ियों से याद रखता है जो उनके आदर्शों को जीवन में अपनाती हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही दूर की सोचने वाले नेता थे जिन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी भारत की एकता, अखंडता, आत्म-सम्मान और राष्ट्रीय चेतना के लिए लगा दी। वे अपने समय के न सिर्फ नेता थे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक भी थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी जी एक प्रसिद्ध शिक्षाविद होने के साथ साथ एक प्रखर राजनेता भी थे।

उन्होंने कहा कि सिर्फ़ 33 साल की उम्र में ही वे कलकत्ता यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर बन गए। बंगाल के लोग उन्हें बहुत सम्मान और प्यार देते थे और उन्हें बंगाल का टाइगर कहते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का लक्ष्य मज़बूत और आत्मनिर्भर भारत बनाना था। इसी मकसद से वे जनता के बीच आए और आज़ाद भारत के पहले उद्योग मंत्री बने। लेकिन 1950 में जब उसूलों और पावर को चुनने का मौका मिला, तो उन्होंने पद के बजाय देश हित को चुना। उन्होंने पूर्वी पाकिस्तान से लाखों हिंदुओं और सिखों के निकाले जाने और लियाकत-नेहरू समझौते पर गहरी असहमति जताई और केन्द्रीय कैबिनेट से इस्तीफ़ा दे दिया। इस फ़ैसले से उन्होंने साबित कर दिया कि देश उनके लिए किसी भी पद से ज़्यादा ज़रूरी था।

अनुच्छेद 370 के हटने से डॉ. मुखर्जी का विजन हुआ पूरा

उन्होंने कहा कि जिस मिशन के लिए उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी, वह 5 अगस्त, 2019 को पूरा हुआ, जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया। आज भारतीय तिरंगा कश्मीर से कन्याकुमारी और अटक से कटक तक शान और सम्मान के साथ लहराता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का कायापलट

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया अब भारत को एक नए नजरिए से देखती है। एक देश जिसे कभी वैश्विक समस्याओं का हिस्सा माना जाता था, अब दुनिया को समाधान देने वाले राष्ट्र के रूप में उभरा है। यह परिवर्तन रातों रात नहीं हुआ है। यह भारतीयों की कड़ी मेहनत, विश्वास और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों, समर्पण, त्याग और प्रतिबद्धता का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में सरकार की अलग-अलग पहलों से लाखों गरीब परिवारों को पक्के घर मिले हैं। आयुष्मान भारत स्कीम के ज़रिए गरीब और ज़रूरतमंद नागरिकों को गंभीर बीमारियों के इलाज की सुविधा मिली है। उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा में चिरायु स्कीम को आयुष्मान भारत के साथ जोड़कर हेल्थकेयर सिक्योरिटी का दायरा बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं से वित्तीय मदद के बड़े-बड़े वादे किए गए थे, लेकिन अब चार साल बीत जाने के बाद भी वायदें पूरे नहीं हुए हैं। हरियाणा में महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपए दिए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा में किसानों को फसल नुकसान का पूरा मुआवजा दिया जा रहा है। 2004 से 2014 के बीच, कांग्रेस सरकार ने फसल नुकसान के मुआवजे के तौर पर सिर्फ़ 1,136 करोड़ रुपये दिए, जबकि वर्तमान सरकार ने 2014 से अब तक किसानों को लगभग 16,500 करोड़ रुपये दिए हैं।

चंडीगढ़ में वरिष्ठ फोटोग्राफर वासुदेव वशिष्ठ की फोटोग्राफी प्रदर्शनी 'भूमि एन आईज़विटनेस' का उद्घाटन 7 जुलाई को

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
05 जुलाई (पुनीत महाजन)

वरिष्ठ एवं राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त फोटोग्राफर वासुदेव वशिष्ठ की वार्षिक फोटोग्राफी प्रदर्शनी 'भूमि एन आईज़विटनेस' का उद्घाटन 7 जुलाई को चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित अंडरपास में किया जाएगा। प्रदर्शनी का उद्घाटन चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष भीम मल्होत्रा करेंगे। प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह सुबह 11:30 बजे आयोजित होगा, जिसमें चंडीगढ़ ललित कला अकादमी के अध्यक्ष उत्तम सिंह हंस, पंजाब विश्वविद्यालय के पूर्व डीन एवं फोटोग्राफर डॉ. हरदर्शन सिंह उप्पल, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव राजन कश्यप सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

इस अवसर पर वासुदेव वशिष्ठ की फोटोग्राफी यात्रा को दर्शाती विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी में उनके छह दशकों के फोटोग्राफी अनुभव और प्रकृति, पर्यावरण तथा समाज के विविध आयामों को दर्शाने वाली तस्वीरों को प्रदर्शित किया जाएगा। वासुदेव वशिष्ठ वर्ष 1966 से देशभर में फोटोग्राफी के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने अपने कैमरे के माध्यम से प्रकृति, पर्यावरण, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक परिवर्तनों को संवेदनशीलता के साथ चित्रित किया है। उनकी तस्वीरें न केवल दृश्य सौंदर्य को प्रस्तुत करती हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और मानवीय मूल्यों का संदेश भी देती हैं। प्रदर्शनी में प्रदर्शित फोटोग्राफ दर्शकों को प्रकृति के साथ संबंधों को समझने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होने का संदेश देंगे। 'भूमि एन आईज़विटनेस' प्रदर्शनी में कुल 36 चयनित फोटोग्राफ प्रदर्शित किए जाएंगे, जिनमें धरती, जल, वनस्पति, जीव-जंतु और मानवीय जीवन के विविध आयामों को दर्शाया गया है।

कार्यक्रम के अंत में कलाकार को सम्मानित भी किया जाएगा। यह प्रदर्शनी 11 जुलाई, 2026 तक प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से रात 8:00 बजे तक आम जनता के लिए खुली रहेगी।

अब तक मतदाता सूची पुनरीक्षण या सत्यापन से संबंधित गणना फॉर्म प्राप्त नहीं हुआ तो बिना देरी अपने बीएलओ से करें संपर्क : विश्राम कुमार मीणा

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
05 जुलाई (बृज मोहन)

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विश्राम कुमार मीणा ने जिला के समस्त नागरिकों और पात्र मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी भी नागरिक को अब तक मतदाता सूची पुनरीक्षण या सत्यापन से संबंधित गणना फॉर्म प्राप्त नहीं हुआ है, तो वे बिना किसी देरी के तुरंत अपने क्षेत्र के बूथ स्तर के अधिकारी से संपर्क स्थापित करें। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विश्राम कुमार मीणा वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर अधिकारियों की बैठक ले रहे हैं। इससे पहले चुनाव आयोग के उप चुनाव आयुक्त संजय कुमार ने दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एसआईआर से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और चंडीगढ़ से मुख्य चुनाव अधिकारी हरियाणा श्रीनिवास ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उप चुनाव आयुक्त संजय कुमार को एसआईआर से संबंधित हो रहे कार्यों की जानकारी दी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जिला में कुल 783831 मतदाता है तथा 345487 (44 प्रतिशत) मतदाताओं के गणना फार्म बीएलओ द्वारा डिजिटाइज किये जा चुके हैं। लाडवा विधानसभा में 197903 में से 102298 को डिजिटाइज किया जा चुका है। शाहाबाद विधानसभा में 172945 में से 105579 और थानेसर विधानसभा में 223905 में से 61321 को डिजिटाइज किया गया है। इसी तरह पिहोवा विधानसभा में 189078 में से 76289 को डिजिटाइज किया गया है। उन्होंने कहा कि नागरिक अपने संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में भी व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। एसआईआर से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए विधानसभा सत्र पर नंबर भी जारी किए गए हैं। लाडवा विधानसभा के लिए 01744265555, शाहाबाद विधानसभा के लिए 01744242908, पिहोवा विधानसभा के लिए 01741220448 जारी किया हुआ है। इसके अलावा जिला निवार्चन कार्यालय द्वार व्हाटसअप नंबर 8168837901 जारी किया हुआ है। चुनाव विभाग द्वारा जारी टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1950 पर भी कॉल करके इस संबंध में सहायता या जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

इस मौके पर एसडीएम थानेसर अमन कुमार, एसडीएम लाडवा अनुभव मेहता, एसडीएम शाहाबाद शंभू राठी, एसडीएम पिहोवा गुरविंदर सिंह, चुनाव तहसीलदार संदीप कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आउटसोर्स कर्मचारियों को समान काम के लिए समान वेतन और सिक्योर्ड पॉलिसी की मांग को लेकर 7 जुलाई से पुतला फूंक प्रदर्शन शुरू करेंगे कर्मचारी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
05 जुलाई (पुनीत महाजन)

कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ गवर्नमेंट एंड एमसी इम्प्लाइज एंड वर्कर्स, यूटी चंडीगढ़ ने आउटसोर्स कर्मचारियों को समान काम के लिए समान वेतन, सिक्योर्ड पॉलिसी और अन्य लंबित मांगों को लेकर 7 जुलाई से पुतला फूंक प्रदर्शन शुरू करने की घोषणा की है। कमेटी ने पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक से मामले में हस्तक्षेप कर कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करवाने की अपील की है।

कमेटी के प्रधान सतिंदर सिंह और महासचिव राकेश कुमार ने संयुक्त प्रेस बयान जारी करते हुए कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम के अधीन कार्यरत हजारों कर्मचारियों के मुद्दों पर न तो प्रशासनिक अधिकारी कोई ठोस कदम उठा रहे हैं और न ही कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने को तैयार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करते हैं तो प्रशासन कानून-व्यवस्था का हवाला देकर कर्मचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करता है।

नेताओं ने कहा कि प्रशासन न तो केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए श्रम कानूनों को लागू कर रहा है और न ही न्यायालयों के फैसलों का पालन कर रहा है। ऐसी परिस्थितियों में कर्मचारियों के पास संघर्ष का रास्ता अपनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में कार्यरत हजारों आउटसोर्स और नियमित कर्मचारियों की मांगें पूरी तरह से न्यायसंगत हैं और प्रशासक के हस्तक्षेप से इनका शीघ्र समाधान संभव है। कमेटी ने मांग की कि श्रमिक विरोधी प्रावधानों को चारों लेबर कोड से हटाया जाए, डीसी रेट्स में व्याप्त विसंगतियों को दूर किया जाए तथा पांच वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को कानून के अनुसार अगली उच्च श्रेणी के डीसी रेट्स दिए जाएं। साथ ही सभी कर्मचारियों को समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

कर्मचारी नेताओं ने 'समान काम के लिए समान वेतन' के सिद्धांत को लागू करते हुए कॉन्ट्रैक्ट लेबर रेगुलेशन एंड एबोलिशन एक्ट-1970 के तहत आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों के बराबर वेतन देने, बोनस अधिनियम के अनुसार बोनस देने तथा ईएसआई पात्रता सीमा को बढ़ाकर 50 हजार रुपये करने की मांग उठाई।

इसके अलावा डेलीवेज कर्मचारियों को नियमित करने की नीति में लंबित संशोधनों को शीघ्र लागू करने, वर्ष में 12 छुट्टियां देने, रिक्त पदों को भरने, समय पर पदोन्नति करने और प्रमोशन में देरी की जवाबदेही तय करने की मांग भी की गई। कमेटी ने नगर निगम से हटाए गए कर्मचारियों को पुनः रोजगार देने, आउटसोर्स कर्मचारियों के कथित शोषण पर रोक लगाने, लायंस कंपनी का ठेका रद्द करने, मिड-डे मील वर्करों के वेतन में वृद्धि करने, कॉलेजों में गर्मी की छुट्टियों के दौरान कर्मचारियों को रिलीव करने की प्रथा बंद करने, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर पेंशन एवं मेडिकल रिइम्बर्समेंट देने, सिक्योरिटी गार्डों को 65 वर्ष की आयु तक सेवा का लाभ देने, यूटी कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल योजना लागू करने तथा मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को नौकरी देने की भी मांग की।

नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन कर्मचारियों से वार्ता शुरू नहीं करता और मांगों के समाधान की दिशा में ठोस पहल नहीं करता, तो 7 जुलाई से यूटी कर्मचारी पुतला फूंक प्रदर्शन शुरू करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी चंडीगढ़ प्रशासन की होगी।

संक्षिप्त न्यूज

मानसून की दस्तक से हिमाचल पर्यटन पर ब्रेक, पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट

शिमला (एएम नाथ)- हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष समर टूरिस्ट सीजन बेहतर रहने के बाद मानसून की शुरुआत के साथ पर्यटन गतिविधियां धीमी पड़ गई हैं। पहली ही बारिश के बाद राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों शिमला, मनाली, डलहौजी और कुल्लू में पर्यटकों की आमद कम हो गई है। होटल कारोबारियों के अनुसार शिमला में वीकेंड के बावजूद पर्यटकों की ऑक्यूपेंसी में करीब 30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि मनाली में यह कमी 40 से 50 फीसदी तक पहुंच गई है।

पर्यटन कारोबारियों का कहना है कि वर्ष 2023 की प्राकृतिक आपदा और उसके बाद हुई घटनाओं का असर अभी भी पर्यटकों के मन में बना हुआ है। बरसात के दौरान बाढ़, भूस्खलन और भवन गिरने जैसी घटनाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने से भी हिमाचल आने वाले पर्यटक सतर्क हो जाते हैं। मनाली होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष रोशन ठाकुर ने बताया कि 30 जून तक पर्यटन सीजन पूरी तरह रफ्तार में था और अधिकांश होटलों की बुकिंग फुल थी, लेकिन मानसून की एंट्री के बाद हालात बदल गए।

पर्यटन कारोबारियों का यह भी कहना है कि मानसून सीजन में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी प्रचार-प्रसार की कमी महसूस की जा रही है। विभाग के पास पर्याप्त पब्लिसिटी बजट नहीं होने से हिमाचल की सकारात्मक छवि राज्य से बाहर प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पा रही है।

इस बीच हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम ने 15 जुलाई से 11 सितंबर 2026 तक चुनिंदा होटलों में 20 से 40 फीसदी छूट वाला मानसून पैकेज घोषित किया है। इसके प्रभाव का आकलन आगामी दिनों में होगा। वहीं, शिमला में मई-जून के दौरान 18.5 लाख से अधिक वाहनों की आमद ने इस बार के सफल समर पर्यटन सीजन की पुष्टि की है।

हिमाचल प्रदेश के निशानेबाजों के लिए बड़ी प्रतियोगिता का आगाज 9 जुलाई से होगा

शिमला (एएम नाथ)- हिमाचल प्रदेश राज्य राइफल एसोसिएशन की ओर से 31वीं राज्य स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता का आयोजन 9 से 13 जुलाई तक कैथलीघाट और शिमला में किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रदेशभर के खिलाड़ी राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।हिमाचल प्रदेश राज्य राइफल एसोसिएशन के आयोजन सचिव विजय ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि 10 मीटर एयर राइफल और एयर पिस्टल स्पर्धाएं इंदिरा गांधी खेल परिसर शिमला में आयोजित होंगी, जबकि 50 मीटर राइफल, 50 मीटर पिस्टल, 25 मीटर पिस्टल तथा 12 बोर ट्रैप शॉटगन प्रतियोगिताएं कैथलीघाट स्थित महालक्ष्मी फर्नीचर के समीप आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिता का समापन 14 जुलाई को दोपहर तीन बजे इंदिरा गांधी खेल परिसर शिमला में होने वाले पदक वितरण समारोह के साथ होगा।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य रहेगा। आवेदन केवल राष्ट्रीय राइफल संघ की ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन प्रक्रिया 25 जून से शुरू हो चुकी है और 7 जुलाई सुबह 8 बजे तक जारी रहेगी। इसके बाद 8 जुलाई सुबह 8 बजे तक विलंब शुल्क के साथ आवेदन करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।विजय ठाकुर ने बताया कि प्रतियोगिता में सीनियर, जूनियर, यूथ, सब-यूथ, मास्टर्स, सीनियर मास्टर्स, सुपर मास्टर्स और अंडर-12 समर्थित वर्गों में मुकाबले होंगे। सभी स्पर्धाएं अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ के निर्धारित नियमों के अनुरूप आयोजित की जाएंगी।

शाहपुर की टीम ने क्रिकेट प्रतियोगोगिता जीती

फाइनल में नवांनगर की टीम को पराजित किया

बीबीएन, 5 जुलाई (तारा) – नवांनगर यूथ क्लब की ओर से खेली गई प्रतियोगिता के फाइनल में शाहपुर की टीम ने जीत दर्ज की। फाइनल में हरियाणा के शाहपुर ने नवांनगर की टीम को पराजित किया। शुभु शर्मा प्रतियोगता के बेस्ट प्लेयर चुने गए। सोनू शर्मा बेस्ट बोलर व शशी शर्मा बेस्ट बल्लेबाज चुने।

नवांनगर की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 6 ओवर में 75 रन बनाए। लक्की ने सर्वाधिक 22 रनों का योगदान दिया। जवाब मे शाहपुर की टीम ने चार ओवर में ही निर्धारित लक्ष्य को पूरा कर लिया। इससे पहले खेले गए पहले सेमीफाइनल में नवांनगर ने वर्धमान तथा शाहपुर ने जय माता कंपनी की टीम को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया था।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि समाज सेवी अमर तनवर ने विजेता टीम को 11 हजार रुपये व ट्राफी प्रदान की। जबिक उप विजेता को 61सौ रुपये व ट्राफी प्रदान की। रविवार को दूसरे दिन प्रतियोगिता का शुभारंभ भटोली कलां के प्रधान कपिल ठाकुर ने किया। उन्होंने आयोजकों की इस अयोजन के लिए सराहना की व खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

इस मौके पर नितेश कुमार, रोशन लाल, बहादुर सिंह,संजीव कुमार, सुरेश पाल, संजू, लक्की, प्रिंस, कुलदीप, ओमप्रकाश, गुरदीप, गोलू तनवर भी उपस्थित रहे।

पांच लाख नौकरियों का वादा करने वाली सरकार बताए युवाओं को क्या मिला, चर्चा में रही केवल उपमुख्यमंत्री की बेटी की नियुक्ति : बलदेव तोमर

» प्रथम न्यूज । शिमला
05 जुलाई (बी.शर्मा)

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता बलदेव तोमर ने कांग्रेस की प्रदेश स्तरीय बैठक में भाजपा पर लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता अब राजनीतिक भाषणों से नहीं, बल्कि सरकार के कामकाज से फैसला करेगी। कांग्रेस नेताओं को भाजपा पर आरोप लगाने के बजाय अपने ढाई वर्ष के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस ने प्रदेश की महिलाओं, युवाओं, कर्मचारियों, किसानों और हर वर्ग से बड़े-बड़े वादे किए थे। महिलाओं को प्रतिमाह ?1500 देने की गारंटी, युवाओं को पांच लाख रोजगार देने का वादा और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के दावे किए गए थे, लेकिन आज इनमें से अधिकांश वादे केवल चुनावी घोषणाएं बनकर रह गए हैं। प्रदेश की लाखों महिलाएं आज भी 1500 की गारंटी का इंतजार कर रही हैं, जबकि युवा रोजगार की आस लगाए बैठे हैं। बलदेव तोमर ने कहा कि उपमुख्यमंत्री ने चुनावी सभाओं में बार-बार कहा था कि प्रदेश के युवाओं को आउटसोर्स नहीं बल्कि नियमित सरकारी नौकरियां दी जाएंगी। लेकिन वास्तविकता यह है कि प्रदेश के बेरोजगार युवा आज भी भर्तियों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि किसी नियमित सरकारी नियुक्ति की सबसे अधिक चर्चा हुई है, तो वह उपमुख्यमंत्री की बेटी की नियुक्ति है। कांग्रेस सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि प्रदेश के लाखों युवाओं से

किए गए रोजगार के वादों का क्या हुआ और नियमित भर्ती प्रक्रिया क्यों ठप पड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब अपनी नाकामियों से ध्यान हटाने के लिए भाजपा और सोशल मीडिया पर दोषारोपण कर रही है। सोशल मीडिया पर जनता अपनी समस्याएं और सरकार की विफलताएं स्वयं सामने रख रही है। इसे दुष्प्रचार कहना लोकतांत्रिक आवाज को दबाने का प्रयास है। सरकार यदि अपने कार्यों को लेकर आश्वस्त है तो उसे जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए, न कि आलोचना से घबराना चाहिए।

तोमर ने कहा कि हाल ही में हुए पंचायत, बीडीसी और जिला परिषद चुनावों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को व्यापक जनसमर्थन मिला है। यह स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की कार्यशैली से निराश है और भाजपा की नीतियों तथा संगठन पर विश्वास जता रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा वर्ष 2027 के चुनावों को लेकर किए जा रहे दावे केवल राजनीतिक बयानबाजी हैं। जनता चुनावी मंचों पर किए गए वादों का हिसाब मांग रही है। कांग्रेस को पहले यह बताना चाहिए कि महिलाओं की गारंटी, युवाओं को रोजगार, कर्मचारियों के हितों और विकास से जुड़े वादों का क्या हुआ।

बलदेव तोमर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश की जनता के बीच जाकर कांग्रेस सरकार की अधूरी गारंटियों, रोजगार के झूठे वादों और जनविरोधी नीतियों को तथ्यात्मक रूप से उजागर करती रहेगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता का होता है और प्रदेश की जनता अब वादों से नहीं, बल्कि काम और जवाबदेही के आधार पर सरकार का मूल्यांकन करेगी।

प्राथमिक शिक्षा बचाओ न्याय यात्रा 11 जुलाई से, 26 को शिमला में प्रदर्शन

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
05 जुलाई (धर्मपाल)

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हिमाचल प्रदेश ने प्राथमिक शिक्षा और प्राथमिक शिक्षकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर 11 जुलाई से 26 जुलाई तक राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। संघ ने घोषणा की है कि आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। आंदोलन के प्रथम चरण में 11 जुलाई से 'प्राथमिक शिक्षा बचाओ न्याय यात्रा' निकाली जाएगी, जिसका समापन 26 जुलाई को शिमला के चौड़ा मैदान में विशाल धरना-प्रदर्शन के साथ होगा। यह यात्रा देहरा, ज्वालाजी, नादौन, हमीरपुर, भोटा, उखली, घुमारवीं, कंदरौर, बिलासपुर और दाड़लाघाट से होते हुए 25 जुलाई को शिमला पहुंचेगी। यात्रा की अगुवाई स्वयं प्रदेश अध्यक्ष रमेश शर्मा करेंगे।

उन्होंने बताया कि 11 जुलाई से प्रदेश के सभी प्राथमिक शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में काले बिल्ले या काली पट्टी लगाकर शिक्षण कार्य करेंगे। संघ का कहना है कि प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था लगातार संकट में है और सरकार द्वारा इस ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

संघ ने आरोप लगाया कि प्रदेश में प्राथमिक शिक्षकों के 5,000 से अधिक पद रिक्त हैं तथा 3,000 से अधिक प्राथमिक विद्यालय एकल शिक्षक के सहारे चल रहे हैं। इससे विद्यार्थियों का सरकारी स्कूलों से पलायन बढ़ रहा है। संघ का यह भी कहना है कि पाठशाला प्रबंधन समितियों को समाप्त करने, प्राथमिक विद्यालयों के यू-डाइस (UDISE) कोड खत्म करने तथा प्राथमिक शिक्षा की अलग पहचान को कमजोर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

संघ ने सरकार को वार्ता के लिए 7 जुलाई तक का समय दिया है। नेताओं का कहना है कि यदि निर्धारित समय तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई तो न्याय यात्रा तय कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगी और इसके समापन तक सरकार के साथ कोई वार्ता नहीं की जाएगी। संघ का आरोप है कि वह कई बार संवाद और वार्ता के माध्यम से समस्याओं का समाधान तलाशने का प्रयास कर चुका है, लेकिन सरकार और शिक्षा विभाग ने उनकी मांगों की अनदेखी की है।

विधायक विनोद सुल्तानपुरी ने खजरेट में किया पौधारोपण, युवाओं को दिया पर्यावरण बचाने का संकल्प

» प्रथम न्यूज । पट्टा मेहलोग
05 जुलाई (तारा)

पर्यावरण को हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त बनाने के संकल्प के साथ गांगुडी पंचायत के स्थानीय बिजेश्वर युवा क्लब खजरेट द्वारा एक विशेष पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कसौली के विधायक विनोद सुल्तानपुरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और स्वयं अपने हाथों से पौधा लगाकर अभियान की शुरुआत की।

क्लब के सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों की भारी मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रजातियों के छायादार और फलदार पौधे रोपे गए।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों और युवाओं को संबोधित करते हुए विधायक विनोद सुल्तानपुरी ने क्लब के इस प्रयास की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और बदलते मौसम के इस दौर में पर्यावरण का संतुलन बनाए

रखना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। केवल पौधे लगाना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें जीवित रखना और उनका पालन-पोषण करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन के हर विशेष अवसर पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और आने वाली पीढ़ी को एक स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण सौंपने में अपना योगदान दें। बिजेश्वर युवा क्लब के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और उन्हें आश्वस्त किया कि क्लब द्वारा लगाए गए सभी पौधों की नियमित रूप से देखरेख की जाएगी। क्लब के सदस्यों ने कहा कि उनका उद्देश्य न केवल खजरेट को सुंदर बनाना है, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना है।

इस अवसर पर स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि, क्लब के सभी सदस्य और भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे, जिन्होंने इस नेक कार्य में बढ़-चढ़कर अपना श्रमदान दिया।

जनसेवा, सुशासन एवं समग्र विकास के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही सरकार - विक्रमादित्य सिंह

लोक निर्माण मंत्री ने कुमारसैन में आयोजित जन आभार अभिवादन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि की शिरकत

» प्रथम न्यूज । शिमला
05 जुलाई (बी.शर्मा)

हिमाचल प्रदेश सरकार में लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आज कुमारसैन के ऐतिहासिक दरबार ग्राउंड में आयोजित जन आभार अभिवादन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर स्थानीय विधायक कुलदीप सिंह राठौर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया।

अपने संबोधन में लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने जनता द्वारा दिए गए स्नेह, विश्वास एवं सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए नव-निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनसेवा, सुशासन एवं समग्र विकास के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति में स्थानीय पंचायतों की भूमिका

अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग के माध्यम से नारकंडा-डोजा-भदावली सड़क पर लगभग 6 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शीघ्र ही इसका लोकार्पण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त कथल नाला-कोटी नाला संपर्क मार्ग पर लगभग 16 करोड़ रुपये की लागत से उन्नयन (अपग्रेडेशन) कार्य चल रहा है, जबकि ओडी-कोटगढ़-बीथल सड़क पर लगभग 19 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण कार्य जारी है। सरकार प्रत्येक वर्ग के कल्याण तथा प्रदेश के संतुलित विकास के लिए निरंतर कर रही कार्य – कुलदीप सिंह राठौर

इस अवसर पर स्थानीय विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने अपने स्वागत संबोधन में मुख्य अतिथि का कुमारसैन आगमन पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि जन आभार अभिवादन समारोह जनता के स्नेह, विश्वास एवं समर्थन का प्रतीक है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा जनकल्याण एवं विकास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार प्रत्येक वर्ग के कल्याण तथा प्रदेश के संतुलित विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कुमारसैन क्षेत्र के विकास के लिए विधायक निधि से लाखों रुपये की राशि उपलब्ध करवाई गई है तथा भविष्य में भी विकास कार्यों के लिए हरसंभव सहयोग जारी रहेगा। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह द्वारा दिए जा रहे सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर राज्य सहकारी बैंक के चेयरमैन देवेन्द्र श्याम, उपमंडलाधिकारी (नागरिक) शशांक गुप्ता, उपमंडल पुलिस अधिकारी नरेश शर्मा, अध्यक्ष वरिष्ठ ज्योति सदन शशी पाल डोगरा, पूर्व एनएसयूआई अध्यक्ष अतुल शर्मा, ठियोग-कुमारसैन कांग्रेस अध्यक्ष संजय शर्मा, ग्राम पंचायत कुमारसैन के प्रधान प्रवीण वर्मा, उपप्रधान कपिल भारद्वाज, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

17 निगम-बोर्डों के 6342 वंचित पेंशनरों के मुद्दे पर संयुक्त संघर्ष समिति की आपात बैठक, मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग

शिमला (बी. शर्मा)- हिमाचल प्रदेश पेंशनर संयुक्त संघर्ष समिति के अतिरिक्त महासचिव भूप राम वर्मा की अध्यक्षता में हिमाचल प्रदेश कारपोरेट सेक्टर के अध्यक्ष देवी लाल ठाकुर के साथ आपात संयुक्त बैठक हुई जिसमें हिमाचल प्रदेश पेंशनर संयुक्त संघर्ष समिति के मिडिया सलाहकार सैन राम नेगी और वरिष्ठ सलाहकार बुद्धि राम जस्टा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

हिमाचल प्रदेश 17 निगम/बोर्ड में लगभग 6342 वंचित पेन्शनरों के बारे में विस्तृत चर्चा गई। वार्ता के दौरान यह जानकारी मिली कि अभी तक केवल 372 कर्मचारियों को पेंशन का लाभ 1999 की अधिसूचना अनुसार मिला रहा है। बैठक में चर्चा के दौरान इस बात पर चिंता जताई गई कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने अधिसूचना संख्या Fin.IF(C)1-9/97, 29 October,1999 के अनुसार पेंशन मिल रही थी जिसने हिमाचल प्रदेश सरकार ने 2 दिसंबर, 2004 के द्वारा Repeal की गई जिसे पेंशनर वंचित हो गए। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस मामले की वास्तविकता एवं गंभीरता को देखते हुए माननीय मुख्यमंत्री महोदय के संज्ञान में लाया जाएगा और जल्द ही इस विषय पर एक बैठक बुलाने का आग्रह किया जाएगा। संयुक्त संघर्ष समिति ने प्रदेश के मुख्यमंत्री का 14 मांगों में से 6 मांगों पर पूरा करने पर संतोष प्रकट करते हुए कि शेष मांगों पर भी शीघ्र ही सकारात्मक निर्णय सामने आएँगे। बैठक में हिमाचल प्रदेश के कारपोरेट सेक्टर के नरेन्द्र चौहान उपाध्यक्ष, सफदर हुसैन अतिरिक्त महासचिव, डीआर ठाकुर वित्त सचिव उपस्थित रहे।

पशु चिकित्सक ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ आधारशिला, उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण - प्रो. चंद्र कुमार

» प्रथम न्यूज । शिमला
05 जुलाई (बी.शर्मा)

कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रोफेसर चंद्र कुमार ने कहा कि पशु चिकित्सकों का दायित्व अन्य चिकित्सकों की अपेक्षा अधिक चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जहां मनुष्य स्वयं अपनी पीड़ा व्यक्त कर सकता है, वहीं पशुओं की पीड़ा को समझना और उसका उपचार करना पशु चिकित्सकों की संवेदनशीलता, अनुभव एवं दक्षता पर निर्भर करता है।

प्रो. चंद्र कुमार आज कुफरी में आयोजित हिमाचल प्रदेश वेटरनरी ऑफिसर्स एसोसिएशन के जनरल हाउस एवं सेमिनार को मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार कृषि एवं पशुपालन को एकीकृत कर किसानों और पशुपालकों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत दुग्ध उत्पादन में विश्व में अग्रणी है तथा महिला स्वयं सहायता समूह इस क्षेत्र में सराहनीय योगदान दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि कांगड़ा जिले के ढगवार में निर्माणाधीन दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र इस वर्ष अक्टूबर तक संचालित हो जाएगा। इस संयंत्र का संचालन राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) द्वारा किया जाएगा, जिससे प्रदेश में दुग्ध क्षेत्र को नई गति मिलेगी तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए पशु चिकित्सकों को वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक रोडमैप तैयार करना चाहिए।

विभिन्न मौसमों में पशुओं में होने वाली बीमारियों, आवश्यक दवाइयों एवं टीकों की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

कृषि एवं पशुपालन मंत्री ने कहा कि प्रदेश में निराश्रित पशुओं की समस्या मुख्य रूप से गाय एवं बैलों तक सीमित है, जबकि भैंसों को निराश्रित नहीं छोड़ा जाता।

कहा कि पशु चिकित्सा विश्वविद्यालयों एवं नव नियुक्त पशु चिकित्सकों को इस सामाजिक चुनौती के समाधान हेतु शोध एवं व्यवहारिक प्रयास करने चाहिए। उन्होंने बताया कि पशुधन गणना के माध्यम से प्रदेश में कुल पशुधन एवं निराश्रित पशुओं की वास्तविक संख्या का आकलन किया जा रहा है, ताकि इसके अनुरूप प्रभावी रणनीति तैयार की जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को पशुपालन से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। डेयरी विकास के साथ-साथ प्राकृतिक खेती के अंतर्गत उत्पादित गेहूं, मक्की एवं हल्दी जैसी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रदान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त पंजाब एवं हरियाणा की हैचरियों के सहयोग से प्रदेश में पोल्ट्री एवं मत्स्य पालन गतिविधियों को भी बढ़ावा देने की योजना है।

प्रो. चंद्र कुमार ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रदेश सरकार ने %पहल% योजना तैयार कर केंद्र सरकार को स्वीकृति के लिए भेजी है। योजना के स्वीकृत होने पर जनजातीय समुदायों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि एसीपीएस (ACPS) के पुनर्जीवन के संबंध में एसोसिएशन एवं विभाग की संयुक्त समिति गठित की जाएगी, जिसके साथ शीघ्र बैठक आयोजित कर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।

इस अवसर पर उन्होंने हिमाचल प्रदेश वेटरनरी ऑफिसर्स एसोसिएशन के निवर्तमान पदाधिकारियों को सम्मानित किया तथा केक काटकर उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

पशुपालन विभाग ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका – डॉ. संजीव कुमार धीमान

पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. संजीव कुमार धीमान ने कहा कि पशुपालन विभाग ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 43 लाख पशुधन है तथा विभाग केवल पशुओं के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि पशुपालकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए भी निरंतर कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भौगोलिक दृष्टि से विस्तृत एवं दुर्गम प्रदेश में प्रत्येक पशुपालक तक पहुंचना विभाग के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य है, जिसे अधिकारी एवं कर्मचारी समर्पण के साथ निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अपने बजट भाषण की शुरुआत पशुपालन विभाग से कर इस क्षेत्र के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया है।

डॉ. धीमान ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 2.50 लाख लीटर दूध का संग्रहण किया जा रहा है। ढगवार में लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन दुग्ध संयंत्र के संचालित होने से दुग्ध संग्रहण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा पशुपालकों एवं दुग्ध सहकारी समितियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

पशु चिकित्सा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ – डॉ. नीरज मोहन

हिमाचल प्रदेश वेटरनरी ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं उपनिदेशक पशुपालन विभाग डॉ. नीरज मोहन ने कहा कि पशु चिकित्सा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में पशु चिकित्सक घर-घर जाकर पशुओं का उपचार एवं पशुपालकों को आवश्यक सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार के कार्यकाल में पशुपालन विभाग को पहली बार मुख्यधारा में प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार हिमाचल प्रदेश ने दूध पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू कर ऐतिहासिक पहल की है।

इससे पशुपालकों को आर्थिक संबल मिला है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन में वृद्धि तभी संभव है जब पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर होगा और इसमें पशु चिकित्सकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ ऋचा कौशल द्वारा पशु चिकित्सा विज्ञान में समकालीन मुद्दे और प्रगति विषय पर पीपीटी के माध्यम से जानकारी साझा की गई। इसके अतिरिक्त, एसोसिएशन के महासचिव डॉ मधुर गुप्ता ने कैबिनेट मंत्री सहित जनरल हाउस में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

टूट गया इंग्लैंड का सपना, फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने मारी बाजी; रिकॉर्ड 7वीं बार ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

बेथ मूनी के लाजवाब अर्धशतक के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया ने 7वीं बार टी20 विश्व कप की ट्रॉफी जीती है। उनका महिला क्रिकेट में ये 14वां टाइटल है। कंगारुओं ने 7 बार वनडे वर्ल्ड कप भी जीता है।

इंग्लैंड ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान नट साइवर-ब्रंट के अर्धशतक के दम पर 150 रन बनाए थे। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के सामने ये स्कोर छोटा पड़ गया और कंगारुओं ने मुकाबले को अपने नाम कर लिया। ऑस्ट्रेलिया ने 151 रनों के लक्ष्य को 17.1 ओवरों में 3 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया और मैच को 7 विकेट से जीता।

इंग्लैंड की खराब शुरुआत

अपने घर पर फाइनल मुकाबला खेल रही इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इंग्लैंड ने एमी जोन्स के रूप में पहला विकेट 7 रनों पर गंवा दिया था। इसके बाद कप्तान नट साइवर-ब्रंट और डैनी वायट-हॉज ने मोर्चा संभाला। हालांकि, दोनों ने पावरप्ले में धीमी बैटिंग की और फिर वायट-हॉज 8 रन बनाकर आउट हो गई। इस दौरान उन्होंने इस विश्व कप में 300 पूरे रन कर लिए। वे महिला टी20 वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सबसे अधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं।

साइवर-ब्रंट और कैम्प ने इंग्लैंड को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया

इंग्लिश कप्तान ब्रंट ने मुकाबले में अच्छी पारी खेली लेकिन उन्होंने धीमी बल्लेबाजी की। इंग्लैंड एक छोर से लगातार विकेट गंवा रही थी लेकिन दूसरी तरफ ब्रंट डटी हुई थी। उनका साथ फ्रेया कैम्प ने भी दिया। ब्रंट ने अर्धशतक लगाया लेकिन उन्होंने अपनी फिफ्टी 46 गेंदों पर पूरी की। इंग्लिश कप्तान ने 53 गेंदों पर नाबाद 58 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 5 चौके लगाए।

फ्रेया ने भी अंत के ओवरों में कमाल की बैटिंग की। उन्होंने 28 गेंदों पर नाबाद 44 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 4 चौके और एक छक्का लगाया। उनकी बल्लेबाजी की वजह से ही इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 150 रनों का स्कोर खड़ा किया। ऑस्ट्रेलिया के लिए लुसी हैमिल्टन, गिम गार्थ, सोफी मोलिन्यु और एनाबेल सदरलैंड ने एक-एक विकेट हासिल किया।

ऑस्ट्रेलिया को लगा शुरुआती झटका– इंग्लैंड के द्वारा दिए गए 151 रनों के लक्ष्य के जवाब में ऑस्ट्रेलिया को शुरुआत में ही पहला झटका लगा। लॉरेन बेल ने जॉर्जिया वोल को 9 रनों के स्कोर पर मैदान से बाहर का रास्ता दिखाया। हालांकि, इसके बाद फीबी लिचफील्ड और बेथ मूनी ने मोर्चा संभाल लिया।

बेथ मूनी और फीबी लिचफील्ड की साझेदारी – पहला विकेट गंवाने के बाद मूनी और लिचफील्ड ने साझेदारी कर इंग्लैंड को मैच से बाहर कर दिया। मूनी ने कमाल की बैटिंग की और 38 गेंदों पर अर्धशतक लगाया। दूसरी तरफ लिचफील्ड फिफ्टी नहीं जड़ सकी और 35 गेंदों पर 48 रन बनाकर आउट हो गई। उन्हें चार्ली डीन ने मैदान से बाहर का रास्ता दिखाया।

ऑस्ट्रेलिया ने 7वीं बार जीती ट्रॉफी

मूनी ने मुकाबले में 49 गेंदों पर 64 रनों की पारी खेली।

इस दौरान उनके बल्ले से 10 चौके निकले। वे भले ही आउट हो गईं लेकिन उस समय तक ऑस्ट्रेलिया को जीत की स्थिति में पहुंचा दिया था। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 7वीं बार टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है।

भारत ए ने श्रीलंका ए के खिलाफ दूसरा अनौपचारिक टेस्ट 10 विकेट से जीता, सुदर्शन के बाद चमके बरार

तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने रविवार को दूसरे और अंतिम अनौपचारिक टेस्ट में कुल 10 विकेट लेकर भारत ए को श्रीलंका ए पर शानदार 10 विकेट की जीत दिलाकर अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ संभावित टेस्ट डेब्यू के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर दी। साई सुदर्शन के 168 रन की बदौलत भारत ए ने पहली पारी में 543 रन का विशाल स्कोर बनाया और श्रीलंका ए पर 177 रनों की बढ़त हासिल की।

श्रीलंका ए की दूसरी पारी 209 रन पर सिमटने के बाद भारत ए को जीत के लिए केवल 33 रन का लक्ष्य मिला। भारत ने बिना किसी नुकसान के 36 रन बनाकर जीत दर्ज की। दूसरी पारी में बरार ने लिए छह विकेट

भारत ए ने दिन की शुरुआत आठ विकेट पर 541 रन से की थी। मैच के चौथे और अंतिम दिन खेल तेजी से आगे बढ़ा। बरार ने दूसरी पारी में छह विकेट लेकर श्रीलंका ए की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। पहली पारी में भी उन्होंने चार विकेट लिए थे जिससे पूरे मैच में उनके विकेटों की संख्या 10 हो गई।

अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए टीम में जगह के एक अन्य दावेदार आकिब नबी की तुलना में बरार का प्रदर्शन कहीं अधिक प्रभावशाली रहा।

पंजाब के इस तेज गेंदबाज ने पिछले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत के लिए डेब्यू करते हुए भी प्रभावित किया था। वह टेस्ट टीम का भी हिस्सा थे, लेकिन उन्हें अब तक टेस्ट क्रिकेट में खेलने का मौका नहीं मिला है। श्रीलंका ए की ओर से आशेन बंडारा ने 87 रन बनाए, लेकिन उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। श्रीलंका ए के खिलाफ आसान से लक्ष्य का पीछा करते हुए साई सुदर्शन और अमन मोखाड़े ने 6.2 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए यह लक्ष्य हासिल कर लिया और भारत ए ने 10 विकेट से आसान जीत दर्ज की। सीरीज का पहला अनौपचारिक टेस्ट ड्रॉ रहा था।

भारत-श्रीलंका के बीच होनी है टेस्ट सीरीज – यह दौरा भारत ए के लिए बेहद सफल रहा। टीम ने इससे पहले दांबुला में आयोजित त्रिकोणीय सीरीज का खिताब भी जीता था। 15 अगस्त से गॉल अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ पहला टेस्ट शुरू होना है। उससे पहले नियमित टेस्ट खिलाड़ी साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल को इस दौरे पर अच्छा मैच अभ्यास मिला। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो के एसएससी मैदान पर खेला जाएगा।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में कहर बरपाएंगे जसप्रीत बुमराह! अंग्रेजों के लिए शुरू की खास तैयारी

भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आने वाले टेस्ट सीजन के लिए फिर से अभ्यास और कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर लाल गेंद से गेंदबाजी करते हुए अपनी तस्वीरें पोस्ट की हैं। बुमराह को आयरलैंड और इंग्लैंड के विरुद्ध टी-20 सीरीज के लिए आराम दिया गया था। बुमराह को इंग्लैंड के विरुद्ध 14 जुलाई से शुरू होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज और 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों के लिए टीम में शामिल किया गया है। बुमराह ने घरेलू मैदान पर अफगानिस्तान के विरुद्ध खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में भी हिस्सा नहीं लिया था। यह मैच आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा नहीं था।

IPL 2026 में जसप्रीत बुमराह का निराशाजनक प्रदर्शन

बुमराह का पिछला प्रतियोगी क्रिकेट टूर्नामेंट आईपीएल 2026 था। हालांकि यह टीम इंडिया और मुंबई इंडियंस के इस मुख्य तेज गेंदबाज के लिए किसी बुरे सपने जैसा रहा। उन्होंने 13 मैचों में 102.50 की औसत और 8.36 की इकानमी रेट से सिर्फ चार विकेट लिए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1/15 रहा।

यह उनका अब तक का सबसे खराब आईपीएल सत्र था। हालांकि, बुमराह ने भारत की आईसीसी टी-20 विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाई। वह आठ पारियों में 14 विकेट लेकर संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने।

चंबा-भरमौर रोड पर गैहरा के पास दर्दनाक हादसाः बस पर पत्थर गिरा, एक यात्री की मौत

चंबा-भरमौर रोड पर पहाड़ी से गिरे पत्थर, चार घायल, शिव नुआला से लौट रही बस हादसे का शिकार, पुलिस जांच में जुटी

» प्रथम न्यूज । चंबा

05 जुलाई (एएम नाथ)

चंबा-भरमौर मार्ग पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक यात्री की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। हादसा गैहरा के समीप उस समय हुआ, जब पहाड़ी से अचानक बड़े पत्थर गिरकर एक निजी बस से टकरा गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में चीख-पुकार शुरू हो गई।

जानकारी के अनुसार निजी बस भरमौर क्षेत्र के चौरासी कॉम्प्लेक्स में आयोजित 'शिव नुआला' कार्यक्रम से श्रद्धालुओं और यात्रियों को लेकर लौट रही थी। रविवार सुबह करीब आठ बजे बस जैसे ही गैहरा के पास पहुंची, तभी पहाड़ी से अचानक बड़े पत्थर नीचे आ गिरे। इनमें से एक विशाल पत्थर बस से टकराया, जिससे बस में सवार यात्रियों को गंभीर चोटें आईं। हादसे में एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से घायलों को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों का इलाज जारी है और चिकित्सकों द्वारा उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए यातायात व्यवस्था को भी बहाल किया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। चंबा के पुलिस अधीक्षक विजय सकलानी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक और घायलों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि लगातार वर्षा और पहाड़ी क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण चट्टानें ढीली होकर नीचे गिरीं, जिससे यह हादसा हुआ। प्रशासन ने यात्रियों से बरसात के मौसम में पहाड़ी मार्गों पर विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, ढाई किलो से अधिक चरस के साथ पंजाब का तस्कर गिरफ्तार

नूरपुर (ब्यूरो)– हिमाचल में नशे के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत नूरपुर पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। सीआईए नूरपुर की टीम ने नागाबारी टोल प्लाजा के पास बाइक सवार एक युवक से 2 किलो 532 ग्राम चरस बरामद की है। मामले की पुष्टि करते हुए एएसपी नूरपुर धर्मचंद वर्मा ने बताया कि गश्त व चैकिंग के दौरान पुलिस टीम टोल प्लाजा (नागाबाडी) के पास मौजूद थी। इसी बीच एक संदिग्ध हीरो स्प्लेंडर बाइक को जांच के लिए रोका गया। तलाशी प्रक्रिया के दौरान उक्त वाहन चालक के कब्जे से 2 किलो 532 ग्राम चरस बरामद की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नशीले पदार्थ और बाइक को अपने कब्जे में ले लिया।

उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान अश्वनी कुमार निवासी रविदास मॉल, नरोट मेहरा, तहसील व जिला पठानकोट (पंजाब) के रूप मे हुई है। सीआईए नूरपुर की टीम ने आरोपी को मौके पर ही हिरासत में ले लिया है। इस संदर्भ में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीकृत कर आगामी वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

भाजपा की ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता, विकसित भारत के निर्माण में निभाएं अहम भूमिका : जीतराम कटवाल

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

05 जुलाई (जितेंद्र गौतम)

झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से कार्य करने वाला संगठन है। भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं, जो समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए निरंतर कार्यरत रहते हैं। संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी पूंजी है और इसका श्रेय कार्यकर्ताओं की निष्ठा एवं समर्पण को जाता है।

रविवार को घंडीर स्थित खबड़ी माता मंदिर परिसर में भाजपा शाहतलाई मंडल की बैठक मंडल अध्यक्ष डॉ. रामप्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में विधायक जीतराम कटवाल ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि योजनाबद्ध कार्यशैली और ईमानदार प्रयासों से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ को मजबूत बनाना, शक्ति केंद्रों को सक्रिय रखना और संगठनात्मक कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बेहद आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संगठन के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रस्तावित हैं, जिन्हें केवल औपचारिकता न मानकर जनसेवा और जनसंपर्क का माध्यम बनाया जाना चाहिए। प्रत्येक कार्यकर्ता केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और पार्टी की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का जो संकल्प लिया गया है, उसे साकार करने में प्रत्येक कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

बैठक के उपरांत विधायक जीतराम कटवाल ने झंडूता पंचायत समिति अध्यक्ष शीला देवी के सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने अध्यक्ष शीला देवी, उपाध्यक्ष शोभित धीमान तथा अन्य नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि पंचायती राज संस्थाएं लोकतंत्र की आधारशिला हैं। गांवों का विकास ही प्रदेश और देश के विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से राजनीति से ऊपर उठकर जनहित, विकास और पारदर्शिता के साथ कार्य करने का आह्वान किया तथा झंडूता विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया एसजेवीएन की 1000 मेगावाट बीकानेर सौर ऊर्जा परियोजना का उद्घाटन

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

05 जुलाई (जितेंद्र गौतम)

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के पचपदरा में एसजेवीएन की 1000 मेगावाट क्षमता वाली बीकानेर सौर ऊर्जा परियोजना का उद्घाटन किया। यह परियोजना भारत की नवीकरणीय ऊर्जा यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है, जो स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और सतत विकास के राष्ट्रीय लक्ष्यों को मजबूती प्रदान करेगी।

इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय विद्युत एवं आवासन-शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद वैरवा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। एसजेवीएन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भूपेंद्र गुप्ता सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी भी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े।

एसजेवीएन की सहायक कंपनी एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एसजीईएल) द्वारा विकसित यह परियोजना राजस्थान के बीकानेर जिले में लगभग 5,000 एकड़ क्षेत्र में स्थापित की गई है। करीब 5,492 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह परियोजना घरेलू सामग्री आवश्यकता (डीसीआर) श्रेणी के अंतर्गत देश की सबसे बड़ी एकल ईपीसी सौर परियोजना है।

परियोजना से पहले वर्ष में लगभग 2,454.84 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन का अनुमान है, जबकि 25 वर्षों की अवधि में करीब 56,482 मिलियन यूनिट स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन होगा। उत्पादित बिजली राजस्थान, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर को आपूर्ति की जाएगी।

यह परियोजना अपने संचालन काल में लगभग 2.79 बिलियन किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन कम करने में सहायक होगी। साथ ही 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को बढ़ावा देते हुए इसमें 24 लाख से अधिक स्वदेशी सौर मॉड्यूल और 175 करोड़ से अधिक भारतीय सौर सेल का उपयोग किया गया है।

निर्माण चरण में इस परियोजना से 2,000 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। सड़क, ट्रांसमिशन और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास के माध्यम से इसने क्षेत्रीय आर्थिक प्रगति को भी गति दी है। यह उपलब्धि भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भर और पर्यावरण के प्रति अधिक जिम्मेदार राष्ट्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

घर के मुख्य द्वार पर शाम को भूलकर भी न करें ये 4 गलतियां, सुख-शांति में आ सकती है बाधा

वास्तु शास्त्र में घर के मुख्य द्वार को अधिक महत्वपूर्ण माना गया है। वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि घर के मुख्य द्वार पर कई बातों का ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि मुख्य द्वार से धन की देवी मां लक्ष्मी का आगमन होता है, जिससे परिवार के सदस्यों पर कृपा बरसती है।

वास्तु शास्त्र में मुख्य द्वार से जुड़े नियम के बारे में बताया गया है। ऐसा माना जाता है कि शाम को मुख्य द्वार पर वर्जित कामों को करने से घर में सुख-शांति का वास नहीं होता और मां लक्ष्मी का आगमन नहीं होता है। साथ ही घर में दरिद्रता आ सकती है। ऐसे में आइए एक नजर डालते हैं कि शाम को घर के मुख्य द्वार पर कौन से काम भूलकर भी नहीं करने चाहिए।

मुख्य पर भूलकर भी न करें ये काम

मुख्य द्वार पर डस्टबिन रखना– अगर आप शाम के समय कूड़ा-कचरा निकालकर उसे डस्टबिन में डालकर घर के मुख्य द्वार पर रख देते हैं, तो ऐसी गलती को भूलकर भी न करें। वास्तु शास्त्र के अनुसार, शाम के समय घर के मुख्य पर कूड़ा-कचरा रखने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन नहीं होता है, क्योंकि शाम के समय को मां लक्ष्मी के आगमन का समय माना जाता है। इसलिए घर के मुख्य द्वार पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

मुख्य द्वार पर जूते-चप्पल रखना– कई लोग घर के मुख्य पर जूते-चप्पल उतार देते हैं, लेकिन इस बड़ी गलती को करने से जीवन में कई समस्याएं आ सकती हैं और घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है।

इसलिए हमेशा जूते-चप्पल को शू-रैक में ही रखना चाहिए।

दहलीज पर बैठना– वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि शाम के समय घर की दहलीज पर नहीं बैठना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि शाम के समय घर के मुख्य द्वार पर बैठने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन नहीं होता, जिसकी वजह से बरकत रुक सकती है।

वाद-विवाद या क्लेश करना– इसके अलावा शाम के समय घर के मुख्य द्वार पर भूलकर भी किसी झगड़ा या फिर बातचीत के दौरान अपशब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इन वर्जित कामों को करने से घर में अशांति का माहौल होता है, जिसकी वजह से मां लक्ष्मी घर में वास नहीं करती हैं।

इसके अलावा शाम के समय घर के मुख्य पर अंधेरा नहीं रखना चाहिए। रोजान शाम को द्वार पर दीपक या फिर बल्ब जरूर जलाकर रखना चाहिए।

रंक से राजा बनाते हैं ये दो ग्रह, कमजोर होने पर दिखने लगता है असर

हर कोई चाहता है कि जीवन में वह लगातार तरक्की करे और अपना सुखमय जीवन व्यतीत करे, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि कड़ी मेहनत के बावजूद सफलता हाथ नहीं लगती और दिन पर दिन उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है. इस तरह की जब भी समस्या आती है तब कुंडली में ग्रहों की दोषपूर्ण स्थिति या कमजोरी के कारण व्यक्ति कर्ज में डूब जाता है या आर्थिक संकट में फंस जाता है. ज्योतिष के अनुसार, बृहस्पति और शुक्र ग्रह किसी व्यक्ति को कंगाल से राजा बना सकते हैं. ज्योतिष शास्त्र में बृहस्पति ग्रह को धन, ज्ञान और समृद्धि का कारक माना जाता है. यदि बृहस्पति शुभ स्थिति में हो, तो व्यक्ति को आर्थिक स्थिरता और करियर में उच्च प्रगति प्राप्त होती है. वहीं, शुक्र ग्रह भौतिक सुख, विलासितापूर्ण जीवन और धन का प्रतीक है. यदि कुंडली में शुक्र मजबूत स्थिति में हो, तो व्यक्ति राजयोग का आनंद लेता है और उसे सभी सुख-सुविधाएं प्राप्त होती हैं.

ग्रहों की दुर्बलता का पता कैसे लगाएं?

यदि आपकी कुंडली में आर्थिक मामलों से संबंधित ग्रह कमजोर हैं, तो आप चाहे जितनी भी मेहनत कर लें, फिर भी आपके पास पैसे नहीं बचेंगे. अप्रत्याशित खर्चों के कारण बचत घटकर शून्य हो जाती है. निवेश किए गए धन में लगातार घाटा होता रहता है. करियर या रोजगार में लगातार अस्थिरता बनी रहती है.

आर्थिक प्रगति के लिए सरल ज्योतिषीय उपाय – कनकधारा स्तोत्र का पाठ करना चाहिए. ये देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त करने का एक बेहतरीन तरीका है. यह गरीबी को दूर करता है और धन प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करता है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर दिशा भगवान कुबेर की है. इस दिशा को हमेशा साफ रखें. घर में धन-कोष या अलमारी को उत्तर दिशा की ओर रखना शुभ होता है. प्रतिदिन सात प्रकार के अनाज पक्षियों को खिलाने से राहु और केतु के प्रभाव समाप्त हो जाएंगे और आर्थिक प्रगति होगी.

बृहस्पति को मजबूत करने के उपाय

- बृहस्पति ग्रह को प्रसन्न करने के लिए गुरुवार को पीले रंग के कपड़े पहनें.
- केले के पेड़ की पूजा करें और एक दीपक जलाएं.
- गरीबों को पीली मसूर दाल या हल्दी दान करें.
- 'ऊं गुरुवे नम:' मंत्र का नियमित जाप करें.
- शुक्र ग्रह को मजबूत बनाने के उपाय
- सुखमय जीवन जीने के लिए शुक्रवार को सफेद कपड़े पहनें.
- देवी महालक्ष्मी की श्रद्धापूर्वक पूजा करें और सफेद फूल अर्पित करें.

भगवान कार्तिकेय ने क्यों किया था तारकासुर का वध?

भगवान कार्तिकेय भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र हैं। उन्हें स्कंद देव के नाम से भी जाना जाता है। शिव पुराण में भगवान कार्तिकेय के जन्म से जुड़ी कथा अधिक प्रेरणादायक है। पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान कार्तिकेय ने तारकासुर का वध किया था।

तारकासुर ने तपस्या कर ब्रह्मा जी को प्रसन्न किया था, जिससे उसको एक वरदान प्राप्त हुआ। तारकासुर को वरदान मिला था कि उसकी मृत्यु केवल भगवान शिव के पुत्र के हाथों ही हो सकती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि भगवान कार्तिकेय ने तारकासुर का वध क्यों किया था। अगर नहीं पता, तो ऐसे में आइए इस लेख में आपको विस्तार से बताते हैं कि तारकासुर के वध से जुड़ी कथा के बारे में।

कैसे हुआ तारकासुर का अंत?

पौराणिक कथा के अनुसार, तारकासुर नाम के असुर ने कठोर तपस्या के द्वारा ब्रह्मा जी को प्रसन्न किया। ब्रह्मा जी ने तारकासुर को एक वरदान दिया। वरदान यह था कि तारकासुर की मृत्यु सिर्फ भगवान शिव के पुत्र के हाथों ही होगी।

ब्रह्मा जी की शरण में पहुचें देवता

माता सती के आत्मदाह करने के बाद भगवान शिव वैरागी हो चुके थे। वहीं, तारकासुर ने वरदान पाने के बाद स्वर्ग पर अधिकार कर लिया और देवताओं को परेशान करने लगा। देवता तारकासुर के अत्याचार से पीड़ित होकर ब्रह्मा जी की शरण में पहुचें। उन्होंने ब्रह्मा जी से तारकासुर के अत्याचार से मुक्ति पाने का उपाय पूछा, लेकिन उनसे कोई मदद नहीं मिली।

ब्रह्मा जी ने देवताओं से कहा कि तारकासुर का अंत भगवान शिव के पुत्र के हाथों से ही होगा, लेकिन समस्या एक आ गई थी कि भगवान शिव ने माता सती के आत्मदाह के बाद सांसारिक मोह-माया का त्याग कर दिया था। अब भगवान शिव को गृहस्थ कैसे बनाया जाए।

कार्तिकेय को सेना का प्रधान सेनापति किया नियुक्त

भगवान शिव से देवताओं ने विवाह करने की प्रार्थना की।

इसके बाद महादेव के विवाह करवाने की योजना बनाई। मां पार्वती की तपस्या से विवाह संपन्न हुआ। इसके बाद उन्हें एक पुत्र की प्राप्ति हुई, जिसका नाम कार्तिकेय रखा। एक बार महादेव ने कार्तिकेय को कैलाश पर्वत पर बुलाया। देवताओं ने कार्तिकेय को सेना का प्रधान सेनापति नियुक्त किया। इसके बाद तारकासुर और कार्तिकेय के बीच युद्ध हुआ। कार्तिकेय जी ने शक्ति शक्ति की मदद से तारकासुर का वध किया। उसके आतंक से देवताओं को मुक्त कराया।

इस कथा का वर्णन शिव महापुराण में रुद्र संहिता के तृतीय खंड और पार्वती खंड में मिलता है।

घर के मुख्य द्वार पर कैसा होना चाहिए पायदान? सही रंग, दिशा और नियम तय करेंगे देवी लक्ष्मी आएंगी या नहीं

घर का मुख्य द्वार वास्तु और धार्मिक दृष्टि से हमेशा ही बहुत महत्वपूर्ण रहा है। इसलिए जब भी अपने घर की मेन डोर के लिए आप पायदान का चुनाव करें, तो धार्मिक पहलुओं के बारे में पहले ही विचार कर लें।

दरअसल, घर का मुख्य द्वार ही होता है, जहां से सकारात्मक ऊर्जा, देवी लक्ष्मी और सुख-समृद्धि का आगमन होता है। ऐसे में इस स्थान पर रखी जाने वाली हर चीज ऐसी होनी चाहिए, जो नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित न करे। घर के मुख्य द्वार पर रखे गए पायदान के रंग से लेकर उसे किस दिशा में रखना है और उसकी सफाई कैसे करनी है तक, कई बातें जिनको लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। चलिए हम आपको इनके बारे में बताते हैं।

ऐसा होना चाहिए पायदान

बाजार में प्लास्टिक, फाइबर और कपड़े आदि के पायदान आते हैं, मगर मुख्य द्वार पर हमेशा जूट से तैयार किया गया पायदान ही लगाना चाहिए। हिंदू धर्म में जूट को सात्विक साधन माना गया है। इसलिए पूजा के दौरान आसनी भी जूट की होनी चाहिए और मुख्य द्वार पर रखा गया पायदान भी इसी से बना होना चाहिए। इससे घर में राहु और केतु का प्रवेश कभी नहीं होता है।

किस रंग का हो पायदान

वैसे तो जूट का जो रंग होता है, उसी रंग का पायदान लगाने से सकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश कर जाती है, मगर घर की सजावट को ध्यान में रखते हुए अगर आप पायदान में रंग का चुनाव करना चाहें, तो हरा रंग सबसे उत्तम माना गया है। यह प्रकृति का रंग होता है और इस रंग से सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है। वहीं हरे रंग के पायदान को लगाने से मेन डोर साफ भी नजर आती है, जो देवी लक्ष्मी के आगमन के लिए बहुत जरूरी भी है।

किस आकार का होना चाहिए पायदान : मेन डोर पर लगने वाला पायदान यदि आयताकार होगा, तो बहुत अच्छी बात है। यह आकार स्थिरता लेकर आता है। वहीं अगर आपके घर की मेन डोर पूर्व या उत्तर दिशा में है, तो आप गोल पायदान भी लगा सकती हैं। इस आकार को भी धार्मिक दृष्टि से बहुत शुभ माना जाता है। अत: आप जब भी घर की मेन डोर के लिए पायदान लें, तो ऊपर बताई गई बातों को हमेशा ध्यान में रखें।

बच्चों के कमरे में भूलकर भी न रखें ये चीजें, वरना रुक सकती है उनकी तरक्की

हम घर को सुंदर बनाने के लिए उसमें कई तरह की चीजों से सजावट करते हैं। जब बात अपने बच्चों की हो तो, छोटे बच्चों के कमरों को बेहद ही खूबसूरत और आकर्षक तरीके से सजाने की कोशिश करते हैं।

लेकिन बच्चों का कमरा तैयार करने से पहले हमें कुछ वास्तु नियमों का खास ध्यान रखना चाहिए? वास्तु शास्त्र के अनुसार, जानिए कौन-सी चीजें बच्चों के कमरे में भूलकर भी नहीं रखनी चाहिए?

इन चीजों को बच्चे के कमरे से रखें दूर

टूटे हुए खिलौने

सभी बच्चों को खिलौने काफी पसंद होते हैं और अक्सर वे इन्हें खेल-खेल में तोड़ भी देते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र के मुताबिक बच्चों के कमरे में भूलकर भी टूटे हुए खिलौने नहीं रखने चाहिए।

टूटे-फूटे खिलौने कमरे में नेगेटिविटी बढ़ाने का काम करते हैं। जिसका प्रभाव बच्चे की सेहत पर भी देखने को मिल सकता है।

कांटेदार पौधे : वास्तु के मुताबिक, बच्चों के कमरे में भूलकर भी कांटेदार पौधे नहीं रखने चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह रहता है। कांटेदार पौधे बच्चों को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। इसके साथ बच्चों के कमरे में नुकीले पत्ते या कांटों से बनी पेटिंग्स भी नहीं लगानी चाहिए।

भारी फर्नीचर : वास्तु के मुताबिक, बच्चों के कमरे में भूलकर भी फर्नीचर का भारी सामान नहीं लगाना चाहिए। इससे बच्चों को चोट लगने के साथ उन्हें खेलने में दिक्कत भी हो सकती है। कोशिश करनी चाहिए कि, छोटे बच्चों के कमरे में हल्का और कम जगह लेने वाले फर्नीचर लगाने चाहिए।

कमरा अव्यवस्थित नहीं होना चाहिए?

वास्तु शास्त्र के अनुसार अव्यवस्थित कमरा बड़ों के साथ छोटे बच्चों के लिए भी नकारात्मक माना जाता है। अव्यवस्था बच्चों के जीवन में नेगेटिव एनर्जी को बढ़ाने का काम करती हैं। इसके अलावा अस्त-व्यस्त कमरा बच्चों के भविष्य के लिए अशुभ माना जाता है।

खूंखार या विनाश से जुड़ी पेंटिंग्स

बच्चों का कमरा सजाने से पहले कई बातों को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है। बच्चों के रूम में खूंखार या विनाश से जुड़े पेंटिंग्स लगाने से बचना चाहिए। यह बच्चों के मन और मस्तिष्क पर नेगेटिव असर दिखाते हैं। कोशिश करें बच्चों के कमरे में ऐसी पेंटिंग्स लगाएं जिससे देखकर बच्चे डरे नहीं, बल्कि खुश रहे।